RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:243 ता. 16 मार्च 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दोनों चाचा पर भारी पड़े चिराग !

पीएम मोदी का मिला साथ तो कर दिया 'खेला'

पटना (एजेंसी)। इसे राजनीतिक परिपक्वता कह लें या वोट की राजनीति का दंश। मगर, सच है अपनी सधी राजनीति का परिचय देते लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने वही पाया जो उन्होंने चाहा। अपनी इस चाहत की पूर्ति के साथ चिराग पासवान ने अपने दोनों चाचा यानी नीतिश कुमार और पशुपति पारस को राजनीतिक शिकस्त तो दे दी है। नीतिश कुमार और चिराग पासवान के रिश्तों में उसी दिन से खटास आ गई जब 2020 विधान सभा चुनाव में चिराग पासवान ने नीतिश कुमार के हर उम्मीदवार के विरुद्ध लोजपा का उम्मीदवार खड़ा कर दिया। पहले तो इसे नीतिश कुमार ने बहुत हल्के में लिया पर जब परिणाम आए तो नंबर वन की पार्टी नंबर 3 बनकर रह गई। कम से कम दो दर्जन सीटें ऐसी थी, जहां लोजपा के उम्मीदवार के कारण हार का सामना करना पड़ा। यह दीगर कि लोजपा को तब केवल मटिहानी विधान सभा से जीत मिली पर 9 विधान सभा में लोजपा दूसरे नंबर पर थी। बस यहीं से नीतिश कुमार और चिराग पासवान के रिश्ते में खटास आ गई। लोजपा की राजनीति में तब बड़ा उलट फेर हुआ जब पशुपति पारस ने राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी बना ली।

छत्तीसगढ़ में पीएम किसान सम्मान निधि में बड़ा फर्जीवाड़ा !

- सम्मान निधि के 5 करोड़ फर्जी किसानों के खाते में किए ट्रांसफर

रायपुर (एजेंसी)। प्रदेश की मौजूदा बीजेपी सरकार ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। बीजेपी का कहना है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए 5 करोड़ रुपए की राशि फर्जी किसानों तक पहुंची है। पूरा मामला कुछ इस तरह से बताया जा रहा है कि पीएम किसान सम्मान निधि के तहत बेरला तहसील के बारगांव में 1456 पात्र किसानों ने रजिस्ट्रेशन किया, जिसमें से 854 लोग फर्जी किसान बनकर इस योजना का लाभ उठाते हुए किस्त ले रहे हैं। इसकी शिकायत भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र वर्मा ने प्रदेश कार्यालय में की है। जिसके बाद इस पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है। दरअसल, बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाए हैं कि पिछली कांग्रेस की भूपेश सरकार के शासनकाल में 854 फर्जी किसान बनाकर प्रधानमंत्री सम्मान निधि के करोड़ों रुपए डकार ले गए। शर्मा का कहना है कि यह देश का पहला ऐसा मामला है जिसमें कांग्रेसियों ने फर्जी किसान खड़े कर दिए। शर्मा ने आगे कहा कि बेमेतरा जिले की बेरला तहसील के बारगांव में 1456 किसानों में 854 के फर्जी होने की शिकायत का सामने आना निश्चित ही गंभीर मामला है। ये फर्जी किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाले सालाना 6,000 रुपए लेकर केंद्र सरकार को चपत लगा रहे हैं। ऐसे किसानों को उस ग्राम के ग्रामीण ही नहीं जानते। इन फर्जी किसानों के न तो इस गांव में कोई मकान है और न ही कोई दस्तावेज।

लोकसभा चुनाव की हो गई तैयारी

आज बजेगी रणभेरी

चुनाव आयोग दोपहर 3 बजे करेगा तारीखों का ऐलान

7 फेज में हो सकती है वोटिंग, 4 राज्यों में भी चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम चुनाव 2024 और राज्य विधानसभाओं के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए चुनाव आयोग शनिवार 16 मार्च को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। यह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दोपहर 3 बजे से होगी। इसे चुनाव आयोग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि 543 सीटों के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव 7 या 8 फेज में हो सकते हैं। इसके साथ ही ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान भी होगा। इसके साथ ही पूरे देश में आचार संहिता भी लागू हो जाएगी। एक दिन पहले ही दो चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू की नियुक्ति गई है। दोनों ने शुक्रवार 15 मार्च को पदभार संभाला है। इसके बाद सीईसी राजीव कुमार समेत तीनों अधिकारियों ने चुनाव कार्यक्रम को लेकर बैठक की थी। चुनाव आयोग ने अपने पोस्ट में लिखा आमचुनाव 2024 और कुछ राज्य विधानसभाओं के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए चुनाव आयोग की तरफ से शनिवार, 16 मार्च को दोपहर 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इसे ईसीआई के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइवस्ट्रीम किया जाएगा। पिछली बार 2019 में आम चुनाव की तारीख 10 मार्च को घोषित हुई थी। पिछला बार लोकसभा चुनाव 7 चरणों में 11 अप्रैल से 19 मई के बीच कराए गए थे। पिछली बार 67.1 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं, मतों की गिनती 23 मई को हुई थी। इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 97 करोड़ लोग वोट देंगे। आयोग ने दावा किया है कि इस बार चुनाव में करप्शन पर रोक लगाने के लिए बहुत नए कदम उठाए जाएंगे। आम चुनाव को लेकर सत्ताधारी एनडीए के साथ ही विपक्षी धड़ा इंडिया गठबंधन भी चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। बीजेपी,कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय दलों की तरफ से भी उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है। कांग्रेस और बीजेपी ने तो अपने उम्मीदवारों की दो लिस्ट भी जारी कर दी है। वहीं, इंडिया गठबंधन में अभी कई राज्यों में सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चुनाव आयोग की सिफारिश के बाद शुक्रवार (1 मार्च) सरकार ने बुजुर्ग मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलट से वोटिंग करने वाले चुनावी नियम में बदलाव किया है। अब केवल 85 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग मतदाता ही पोस्टल बैलट से वोटिंग कर सकेंगे। अभी तक 80 साल से ज्यादा उम्र के लोग इस सुविधा के पात्र थे। कानून मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन में बताया कि 85 की उम्र पार चुके वोटर्स को यह सुविधा दी जाएगी।

तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन इस बार तोड़ देगा डीएमके के सारे घमंड

कन्याकुमारी की रैली में बोले पीएम मोदी, इंडिया गठबंधन को जमकर घेरा

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में जनसभा की। पीएम ने कहा- आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इस बार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं।

उन्होंने कहा- जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडु की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा।

इंडी अलायंस के लोगों का इतिहास घोटालों का है

पीएम ने कहा–इंडी अलायंस कभी भी तमिलनाडु को विकसित नहीं बना सकता। इन लोगों का इतिहास घोटालों का है। इन लोगों की राजनीति का आधार लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना है। एक तरफ भाजपा की कल्याणकारी योजनाएं होती हैं, तो दूसरी ओर इनके करोड़ों के घोटाले होते हैं। हमने ऑप्टिकल फाइबर, 5जी, डिजिटल इंडिया स्कीम दी। इंडी अलायंस के नाम पर लाखों करोड़ रुपए का 2जी का स्कैम है, और डीएमके उस लूट की सबसे बड़ी हिस्सेदार थी। हमारे नाम पर उड़ान स्कीम है, इंडी अलायंस के नाम हेलीकॉप्टर स्कैम है। हमारी खेलो इंडिया और दूसरी स्कीम्स से देश ने खेलों में ऊंचा मुकाम हासिल किया, लेकिन उनके नाम पर स्कैम का दाग है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा पर पाक्सो का केस

आरोप-रेप केस में मदद मांगने गई नाबालिग को कमरे में खींचा; येदि बोले- सब झूठ

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा पर पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। पूर्व सीएम के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला 2 फरवरी को बेंगलुरु का है। लोकल पुलिस स्टेशन में एफआईआर की गई है। 17 साल की पीड़ित की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ क्क्रष्टस्ह और 354 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि कर्नाटक सरकार ने मामले को पाक्सो के तहत एसआईटी को सौंप दिया है। इधर, येदियुरप्पा ने कहा, मुझ पर लगे सभी आरोप झूठे हैं, लेकिन मैं अभी ये नहीं कह सकता इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित लड़की 2 फरवरी उसके साथ हुए यौन उत्पीड़न के एक मामले में येदियुरप्पा से मदद मांगने बेंगलुरु में उनके डॉलर्स कॉलोनी स्थित घर गई थी। तभी यौन उत्पीड़न किया।

आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा नागपुर में शुरू

1500 से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल, 17 मार्च तक चलेगी बैठक, संदेशखाली सबसे बड़ा मुद्दा

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक शुक्रवार से नागपुर में शुरू हो गई है। ये बैठक 17 मार्च तक होगी। हर 3 साल में होने वाली ये मीटिंग इस बार 6 साल में हो रही है। कोरोना की वजह से 2021 में इसे टाल दिया गया था। बैठक की शुरुआत सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने की। इन दौरान दोनों ने भारत माता की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। यह बैठक नागपुर में रेशिम बाग स्मृति मन्दिर परिसर में हो रही है। इसमें 45 प्रांतों से 1500 से ज्यादा कार्यकर्ता मौजूद हैं। संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि संघ के पहले सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने कहा था कि संघ सम्पूर्ण समाज का संगठन है। इसका अनुभव हम बीते 99 सालों से कर रहे हैं। साल 2017 से 2024 तक संघ कार्य के विस्तार का आकलन करने से इसकी व्यापकता ध्यान में आती है। देश के 99 प्रतिशत जिलों में संघ का कार्य चल रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मीटिंग का मेन एजेंडा लोकसभा चुनाव होगा, लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि मेन एजेंडा चुनाव नहीं, बल्कि संदेशखाली की घटना है। संघ के एक और सूत्र ने इस बारे में डिटेल में बताया। वे कहते हैं, संघ दूरगामी योजनाओं पर काम करता है। लोकसभा चुनाव पर 3 साल से चर्चा हो रही है। संघ के स्तर पर चुनाव की प्लानिंग बहुत पहले हो चुकी है और उसे जमीन पर भी उतारा जा चुका है। संघ राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन है।

हम बदलेंगे इतिहास!

एमपी में नहीं पढ़ाया जाएगा सिकंदर और अकबर महान

- प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का बड़ा ऐलान
- कहा-अब चंद्रगुप्त मौर्य-महाराणा प्रताप महान पढ़ाया जाएगा

सीहोर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का बड़ा बयान आया है। उन्होंने सीहोर में बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों में सिकंदर और अकबर महान नहीं होगा। हम इतिहास बदलेंगे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। साथ ही कहा है कि अंग्रेजों के बाद कांग्रेस ने 70 साल तक वही पुराना गुलामी का इतिहास देश को परोसा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम बच्चों को महाराणा प्रताप महान पढ़ाएंगे। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने शिक्षा के स्तर को बदलने का काम किया है, अब इतिहास भी बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में सिकंदर और अकबर महान नहीं होगा। इसके साथ ही कहा कि इतिहास के पन्नों में अब महाराणा प्रताप महान लिखा जाएगा, चंद्रगुप्त महान लिखा जाएगा। हम तथ्यों के आधार पर स्कूल और कॉलेज की किताबों में सम्मिलित करने जा रहे हैं।

बड़ी उपलब्धि

अब पूरी तरह से इथेनॉल से चलेंगी अपनी गाड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब गाड़ियां पूरी तरह से इथेनॉल से चलेंगी। सरकार ने शुक्रवार को इथेनॉल 100 को लॉन्च कर दिया है। इथेनॉल 100 की बिक्री

सरकार ने लॉन्च किया इथेनॉल 100,183 पेट्रोल पंपों पर बिक्री शुरू

183 पेट्रोल पंप में शुरू हो गई है। इसके बाद 15 अप्रैल तक 400 पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल 100 की बिक्री शुरू हो जाएगी। इनमें महाराष्ट्र, यूपी, तमिलनाडु और कर्नाटक में 100-100 पेट्रोल पंपों से बिक्री शुरू की जाएगी। इथेनॉल को एथिल अल्कोहल के रूप में जाना जाता है। यह एक बॉयो-फ्यूल है। इसे मक्का, गन्ना, गेहूं और एग्री क्राप के पौधों के कंटेंट से तैयार किया जाता है। इसका प्रोडक्शन फर्मेंटेशन प्रॉसेस से किया जाता है, जिसे चीनी के मॉलीक्यूलर यीस्ट या अन्य माइक्रोआर्गेनिज्म्स की क्रिया द्वारा अल्कोहल में बदला जाता है। इथेनॉल 100 में 92-94 फीसदी इथेनॉल, 4-5 फीसदी मोटर स्पिरिट और 1.5 फीसदी को-सॉल्वेंट हाइअर सैचुरेटेड अल्कोहल का मिश्रण है। यह पेट्रोल का एक स्वच्छ और हरित विकल्प है। यह ईंधन ग्रीनहाउस गैसों के कम उत्सर्जन का उत्पादन करता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करता है।

लोकसभा चुनाव 2024

पंजाब में कांग्रेस फिर से करेगी कमाल ! बीजेपी को भी फायदा

- ओपिनियन पोल में चौंकाने वाला खुलासा, एएपी को लगेगा झटका

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तिथियों का जल्द ही ऐलान होने वाला है। ऐसे में देशभर में आम चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इसी बीच जनता का मूड जानने के लिए अलग-अलग सर्वे किए जा रहे हैं। हाल ही में पंजाब को लेकर एक मेगा सर्वे किया गया है। इस सर्वे में कांग्रेस को जीत मिलती दिखाई दे रही है। पंजाब में कांग्रेस की 7 सीटें जीतने की संभावना है। जबकि बीजेपी पंजाब में तीन सीटें जीत सकती है। वहीं आम आदमी पार्टी को सिर्फ एक ही सीट मिलती दिखाई दे रही है। शिरोमणि अकाली दल को भी इस सर्वे में 2 सीटें दी गई हैं। वोट शेयर की बात करें तो कांग्रेस को 38 प्रतिशत, एनडीए को 13, अकाली दल को 22, आम आदमी पार्टी को 15 और अन्य को 12 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। 2019 में ऐसा रहा था परिणाम2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को पंजाब की 8 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं अकाली-बीजेपी गंठबंधन को 4 और आप को सिर्फ 1।

एससी ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में एसबीआई से मांगा जवाब

पूछा-चुनाव आयोग को दिए डेटा में बॉन्ड नंबर क्यों नहीं दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नोटिस

जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि 11 मार्च के फैसले में स्पष्ट कहा गया था कि बॉन्ड की पूरी डिटेल खरीदी की तारीख, खरीदार का नाम, कैटेगरी समेत दी जाए, लेकिन एसबीआई ने यूनिक अल्फा न्यूमेरिक नंबर्स का खुलासा नहीं किया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा चुनाव आयोग की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा कि एसबीआई 18 मार्च तक नंबर की जानकारी नहीं दिए जाने का जवाब दे। कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि चुनाव आयोग से मिले डेटा को 16 मार्च की शाम 5 बजे तक स्कैन और डिजिटलाइज किया जाए।

प्रोसेस पूरी होने के बाद ओरिजनल कॉपी आयोग को लौटा दी जाए।एक कॉपी कोर्ट में रखी जाए और फिर इस डेटा को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 17 मार्च तक अपलोड किया जाए। एसबीआई का कहना है कि उसने सुप्रीम कोर्ट को दो किश्तों में दस्तावेज दिए हैं। जिसमें अप्रैल 2019 से नवंबर 2023 तक का डेटा था। पहली किश्त में 106 सीलबंद लिफाफे और दूसरी किश्त में 523 सीलबंद लिफाफे वाले बक्से थे। आयोग का कहना है कि वापस मिलने के बाद ही यह डेटा अपलोड हो सकता है। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में एसबीआई की याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई हुई थी।

चंदा लेने के मामले में टीएमसी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड के द्वारा दिए गए राजनीतिक दलों के चंदों का विवरण जारी किया है। उन आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को सबसे ज्यादा 60.61 अरब रुपये बतौर चंदा मिले हैं, जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 14.22 अरब रुपये दान में मिले हैं। बड़ी बात यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाकर दान लेना वाली पार्टियों में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 16.10 अरब रुपये के साथ दूसरे नंबर पर रही है, जबकि कांग्रेस तीसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर गौर करें तब भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस चंदा लेने वालों में क्रमशः नंबर वन, टू और थ्री की पार्टी है। इनके अलावा भारत राष्ट्र समिति को 12.14 अरब, बीजू जनता दल को 7.75 अरब रुपये, डीएमके को 6.39 अरब, वॉयएसआर कांग्रेस को 3.37 अरब, तेलूगू देशम पार्टी को 2.18 अरब, शिवसेना को 1.59 अरब, राष्ट्रीय जनता दल को 72.50 करोड़ और आप को 65.45 करोड़ रुपये मिले हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा लेने वाले दलों में सबसे पीछे गोआ फोरवर्ड पार्टी रही, उस सिर्फ 35 लाख रुपये का चंदा मिला है। इनके अलावा नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को 50 लाख, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस को 50 लाख, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी को 55 लाख और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5.50 करोड़ रुपये मिले हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2024 के बीच 1260 कंपनियों और लोगों ने कुल 12,155.51 करोड़ रुपये मूल्य के 22217 बॉन्ड खरीदे हैं। 23 राजनीतिक दलों ने इन बॉन्ड को भुनाया है। इलेक्टोरल बॉन्ड पांच मूल्य वर्ग में खरीदे गए हैं।

आप में शामिल हुए राज कुमार चब्बेवाल, कांग्रेस को झटका

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि पंजाब से पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक राज कुमार चब्बेवाल ने शुक्रवार को पार्टी छोड़कर आप में शामिल हो गए। चब्बेवाल (54) ने कहा कि उन्होंने होशियारपुर जिले के चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक के तौर पर भी इस्तीफा दे दिया है। प्रमुख दलित नेता चब्बेवाल पंजाब विधानसभा में विपक्ष के उपनेता थे। वह यहां आप में शामिल हुए और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनका पार्टी में स्वागत किया। चब्बेवाल एक सप्ताह के भीतर आप में शामिल होने वाले पंजाब से कांग्रेस के दूसरे नेता हैं। बस्सी पठाना से कांग्रेस के पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी हाल ही में आप में शामिल हुए थे। आप की प्रदेश इकाई ने पोस्ट में कहा कि चब्बेवाल के शामिल होने से पार्टी और मजबूत हुई है। सूत्रों ने कहा कि आप चब्बेवाल को होशियारपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतार सकती है। इसके पहले चब्बेवाल ने पोस्ट किया था, आज कांग्रेस और पंजाब विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। चब्बेवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखा अपना पत्र भी 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पत्र में लिखा है, मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा देता हूं।'' हालांकि, उन्होंने पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। चब्बेवाल ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष को भी एक पत्र लिखा और उसे भी 'एक्स' पर पोस्ट किया।

पहले घुसपैठ कर कानून तोड़ा अब हुड़दंग कर रहे, इन्हें जेल में होना चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को उनके आवास के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तानी शरणार्थियों पर जमकर बरसे। हिंदू और सिख शरणार्थियों ने केजरीवाल के सिविल लाइंस आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन के खिलाफ अपने बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) नेता से माफी की मांग की। सीएए पर भारत के विपक्षी गुट के नेताओं के बयानों को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों ने कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन से नाराज होकर केजरीवाल ने कहा, इन पाकिस्तानियों की हिम्मत? सबसे पहले, उन्होंने हमारे देश में अवैध रूप से घुसपैठ की और हमारे देश के कानूनों को तोड़ा। उन्हें जेल में होना चाहिए था। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमारे देश में विरोध प्रदर्शन और हंगामा कर रहे हैं?

कोर्ट के आदेश पर 8 घंटे जेल की कोठरी से बाहर रहेगा आफताब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल के प्राधिकारियों को सनसनीखेज श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के मुख्य आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को रात में जेल की कोठरी में अकेले बंद करने से पहले दिन में आठ घंटे के लिए बाहर लाने की अनुमति देने को कहा। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली पीठ ने पूनावाला की एक याचिका पर आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि सुरक्षा की आड़ में आफताब को जेल की कोठरी में अकेले बंद नहीं रखा जा सकता। पीठ में न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया भी हैं। पूनावाला के वकील ने दावा किया कि अन्य कैदियों को एक दिन में आठ घंटे के लिए कोठरी से बाहर ले जाया जाता है लेकिन पूनावाला को सुबह और शाम एक-एक घंटे के लिए ही बाहर आने की अनुमति है। जेल प्राधिकारियों के वकील ने कहा कि खतरे की आशंका के कारण आरोपी को अन्य कैदियों के साथ नहीं रखा गया है। उन्होंने पहले कहा था कि पूनावाला पर रोहिणी में विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) ले जाते वक्त हुए हमले के बाद निचली अदालत ने उसे उचित सुरक्षा मुहैया कराने के संबंध में निर्देश दिए थे। पूनावाला के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को जेल में किसी से भी बातचीत नहीं करने दी जाती और उसे अलग कोठरी में बंद किया गया है जबकि उसने कोई ''जेल अपराध'' नहीं किया है।

श्रीलंका की नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में कराईनगर के तट से 15 भारतीय मछुआरों को अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में हिरासत में लिया।एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार नौसेना पकड़े गए इन मछुआरों और उनकी नौकाओं को कांकेसंतुराई बंदरगाह ले गई और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया। हाल में श्रीलंका के मछुआरों ने प्राधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करश्रीलंकाई जल क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के कथित मछली पकड़ने पर रोक लगा उनके हितों की रक्षा की मांग की थी। श्रीलंका नौसेना ने कहा कि आज सुबह हिरासत में लिए गए मछुआरों के साथ नौसेना द्वारा वर्ष 2024 में पकड़े गए मछुआरों की संख्या 225 हो गई है। जबकि मछली पकड़ने वाली 16 नौकाओं को जब्त किया है। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

85 साल के आसाराम बापू की याचिका पर सुनवाई को तैयार गुजरात हाई कोर्ट

सूरत । गुजरात हाईकोर्ट ने संत आसाराम बापू की दोषसिद्धि के खिलाफ दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। मामला 2013 के रेप केस से जुड़ा है। गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की बढ़ती उम्र को देखकर याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला लिया है। कोर्ट 4 अप्रैल से उनकी याचिका पर सुनवाई शुरू करेगा।

जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस विमल व्यास की खंडपीठ आसाराम की सजा को निलंबित करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। तभी उन्होंने बलात्कार की सजा के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई को प्राथमिकता देने का फैसला किया। जस्टिस सुपेहिया ने कहा, वह 10 साल जेल में काट चुके हैं और 85 साल के हैं। हम सजा को निलंबित करने की उनकी याचिका के बजाय मुख्य अपील पर ही सुनवाई करने वाले है। कोर्ट ने कहा कि हम समर वेकेशन से पहले अपील की सुनवाई पूरी करने की कोशिश करने वाले हैं, ताकी छुट्टियों के बाद फैसला दे सकें। बता दें, गुजरात की एक ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2023 में आसाराम बापू को 2013 में सूरत आश्रम में अपनी महिला शिष्या के साथ कई मौकों पर बलात्कार करने का दोषी ठहराया था। आसाराम को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना), 346 (गलत कारावास), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत दोषी ठहराया गया था।

भाजपा ने गरीब के बेटे को पीएम और बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया: अमित शाह

अबकी बार 400 पार का नारा जनता लगा रही

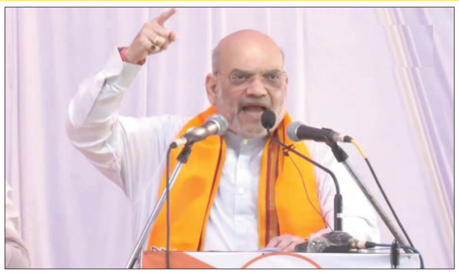

अहमदाबाद(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने गृहराज्य गुजरात के दौरे पर है। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है। आप सभी के साथ 40 साल से काम कर रहा हूं। अनेक पराजय के बाद हमें चुनाव जीतने की महारथ हासिल हुई है।

शाह ने कहा, देश की जनता अब की बार 400 पार का नारा लगा रही है। जनता चुनाव घोषित होने का इंतजार कर रही है। संकल्प से सिद्धि का मार्ग नरेंद्र भाई ने दिखाया है। अभी तक पूरे देश में 135 सीटों का दौरा करके आया हूं, हर जगह मोदी मोदी की चर्चा हैं। लोकसभा चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि हर मतदाता को हमारे संकल्प यात्रा के साथ जोड़ना है। शाह ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोगों से विनम्रता से मिलिए, प्रचार में सभी को जोड़िए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आज 29 साल पहले का दृश्य याद आ रहा है। मैं विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रहा था, तब यही हनुमान दादा में दर्शन किए थे और भूपेंद्र पटेल पार्षद थे। आज फिर से वहीं से लोकसभा चुनाव के लिए शुरुआत की है। भाजपा ने बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया। पार्टी ने गरीब परिवार के चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बनाया। भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र है, जिसकी वजह से यह संभव हुआ।

मोदी आज विश्व के लोकप्रिय नेता

गृह मंत्री ने कहा, पीएम मोदी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण देकर महिला शक्ति को विधानसभा-संसद का दरवाजा खोला है। आज नरेंद्र भाई सिर्फ देश के नहीं, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है।

उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। दो बार हमारे सैनिकों पर आतंकियों ने हमला किया, जिसका सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके जवाब दिया। डोकलाम में चीन ने जो किया, सब सोच रहे थे क्या होगा? नरेंद्र भाई ने आंख दिखा दिया और चीन को वापस लौटना पड़ा।

नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों ने संभाला पदभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पैनल ने गुरुवार को ब्यूरोक्रेट ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में चुना। यह फैसला चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद आया है। चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व लोकसभा मे विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। नवनियुक्त चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को चुनाव आयोग के मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दोनों नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी आम चुनाव सकुशल कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। इससे पहले केंद्र सरकार ने गुरुवार शाम दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की।

सीएए पर लंबित याचिकाओं पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट, 19 मार्च को मामले की सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हुआ। 19 मार्च को मामले की सुनवाई होगी। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के सामने मुद्दे का उल्लेख किया। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि मामला अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जाएगा। 2019 से शीर्ष अदालत में दायर दो सौ से अधिक संबंधित याचिकाओं में विभिन्न सीएए प्रावधानों को चुनौती दी गई है। सीएए को दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था, लेकिन केंद्र सरकार ने सोमवार को इसके लिए नियम जारी किए।

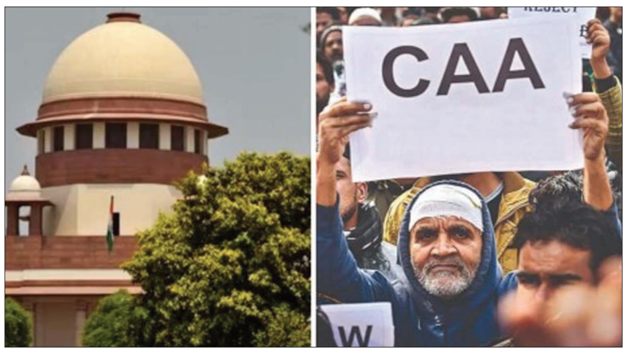

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की ओर से पेश हुए सिब्बल ने कहा, याचिकाएं 2019 से लंबित हैं। वहीं आम चुनाव से ठीक पहले उन्होंने नियमों की घोषणा कर दी है। एक बार नागरिकता मिल जाने के बाद, प्रक्रिया को उलटना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एक क्षेत्रीय छात्र संगठन), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने भी अलग-अलग आवेदन दायर कर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर अदालत किसी उपयुक्त दिन पर मामले की सुनवाई करती है, तब उन्हें कोई कठिनाई नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि किसी भी याचिकाकर्ता के पास यह कहने का अधिकार नहीं है कि नागरिकता न दें। जहां तक चुनाव पर बहस का सवाल है, मैं राजनीति को अदालत से दूर रखूंगा। इस पर सीजेआई ने कहा कि मामले में सभी 237 याचिकाओं को 19 मार्च को सूचीबद्ध किया जा सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, विभिन्न बिंदुओं वाले सभी पक्ष... हम कुछ वकीलों को सुन सकते हैं।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में कई अर्जियां दायर कर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। इसमें सीएए को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने अदालत से सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि पूर्व में दायर रिट याचिकाओं का निपटारा किये जाने तक मुस्लिम समुदाय से संबंधित लोगों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। सीएए के तहत मुसलमान भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकते।

ईवीएम के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, क्षमा करे हम सुनवाई नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने लोकसभा चुनाव-2024 की तिथियों का ऐलान कर दिया। चुनाव आयोग ने बताया कि 16 मार्च को दोपहर बाद संसदीय चुनाव की तिथियां घोषित होगी। इस बीच, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का मुद्दा फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। तीन जजों की पीठ के समक्ष इससे जुड़ी याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट हुई। शीर्ष अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि हमें क्षमा करेंज्हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मामले पर सुनवाई नहीं कर सकते हैं। बता दें कि अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचार का प्रावधान है। मतलब यह कि यदि किसी को लगता है कि कोई मसला या मुद्दा या फिर नीति संविधान के प्रावधानों अनुरूप नहीं है, तब वह न्यायपालिका की शरण में जा सकता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर शुक्रवार को विचार करने से मना कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन जजों की पीठ ने कहा कि यह अदालत कई याचिकाओं की पहले ही कई मौकों पर पड़ताल कर चुकी है और ईवीएम के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार कर चुकी है।

हाल ही में वीवीपीएटी से संबंधित एक याचिका पर विचार किया था। हम धारणाओं पर नहीं चल सकते। हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। क्षमा करें, हम अनुच्छेद 32 के तहत इस पर विचार नहीं कर सकते। पीठ ने कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे की शीर्ष अदालत ने विभिन्न याचिकाओं में पड़ताल की है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अदालत ने इस मुद्दे पर 10 से अधिक मामलों की पड़ताल की है।

शिमला सीट पर जीत दर्ज करने कांग्रेस को रचना होगा चक्रव्यूह

-पिछले तीन चुनाव से सीट पर भाजपा का कब्जा

शिमला (एजेंसी)। कभी कांग्रेस का अभेद्य किला रहे हिमाचल की शिमला संसदीय सीट पर पिछली तीन बार से भाजपा का कब्जा है। कांग्रेस को अपना दुर्ग फिर से लेना है, तब कांग्रेस को चक्रव्यूह रचना होगा। यह संसदीय सीट हमेशा सत्ता का केंद्र रही है। कांग्रेस के कृष्ण दत्त (केडी) सुल्तानपुरी यहां से लगातार छह बार सांसद रहे हैं। सुल्तानपुरी प्रदेश के पहले सांसद हैं जिनके नाम यह रिकॉर्ड है। भाजपा कांगड़ा की तरह यहां से भी जीत का चौका लगाना चाहेगी तब प्रदेश में सत्ताधारी कांग्रेस को केडी की विरासत वापस लेने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। उधर, भाजपा ने शिमला से सांसद सुरेश कश्यप को टिकट देकर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली है। शिमला संसदीय सीट का ज्यादातर क्षेत्र पहाड़ी है। 1977 में पहली बार भारतीय लोक दल के बालक राम यहां से सांसद चुने गए। इसके बाद 1980 से 1998 तक कांग्रेस के कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी ने लगातार छह बार जीत दर्ज की। उनके सामने कोई भी धुरंधर टिक नहीं सका। इसके बाद धनी राम शांडिल ने 1999 में हिमाचल विकास कांग्रेस से चुनाव लड़कर कांग्रेस के किले में सेंधमारी की। 2004 में हुए चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर फिर जीत दर्ज की। 2009 से अब तक हुए तीन चुनावों में दो बार वीरेंद्र कश्यप और एक बार सुरेश कश्यप ने सीट जीती और भाजपा की हैट्रिक लगाई। पिछले तीन चुनावों से भाजपा की जीत का अंतर हर बार बढ़ा है। 2014 में भाजपा करीब 84 हजार मतों से जीती। 2019 में यह अंतर 3 लाख 27 हजार हो गया। भाजपा को इस बार भी मोदी फैक्टर की आस है। कांग्रेस के पास शिमला को सरकार में प्रतिनिधित्व देने में विशेष तरजीह देने का तर्क है। शिमला संसदीय क्षेत्र में अर्की, नालागढ़, दून, सोलन, कसौली, पच्छाद, नाहन, श्रीरेणुकाजी, पांवटा साहिब, शिलाई, चौपाल, ठियोग, कसुम्पटी, शिमला शहरी, शिमला ग्रामीण, जुब्बल-कोटखाई और रोहडू विधानसभा क्षेत्र आते हैं। टिकटों के लिए कांग्रेस में मंथन जारी है। अमित नंदा, दयाल प्यारी, कौशल मुंगटा, सोहन लाल सहित कई नाम चर्चा में हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र में कुल जनसंख्या का 26.51 फीसदी भाग अनुसूचित जाति से संबंधित है। सिरमौर जिले के बड़े इलाके में अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी का एक्शन, बीआरएस नेता के कविता को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी के कविता को हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसी की टीम द्वारा उनके हैदराबाद आवास पर तलाशी लेने के कुछ घंटों बाद बीआरएस नेता को हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद कविता को आगे की जांच के लिए दिल्ली लाया जाएगा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता इस साल जांच एजेंसी द्वारा जारी किए गए कम से कम दो समन में शामिल नहीं हुईं।

45 वर्षीय बीआरएस नेता सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए 16 जनवरी को मामले में नए दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए, जिसमें कहा गया था कि जांच एजेंसी इस मामले में कविता को नहीं बुला सकती है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि बीआरएस नेता को पिछले साल शीर्ष अदालत से अस्थायी राहत मिली थी और यह अब मान्य नहीं है।

इससे पहले, कविता से मामले के संबंध में पिछले साल तीन बार पूछताछ की गई थी और जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान भी दर्ज किया था। बीआरएस एमएलसी ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इसके बजाय भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तेलंगाना में %पिछले दरवाजे% से प्रवेश पाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का %दुरुपयोग% करने का आरोप लगाया है।

गुरदासपुर सेंट्रल जेल बनी जंग का मैदान, कैदियों ने जेल अधिकारियों पर किया पथराव

चंडीगढ़। जेल में कैदियों के बीच टकराव की खबरें आ रही हैं। बंदियों का जेल अधिकारियों के साथ मुठभेड़ भी कोई नई बात नहीं है, लेकिन यदि हाई सुरक्षा जेल में पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़ जाएं तब कारागार में गंभीर हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा ही मामला गुरदासपुर सेंट्रल जेल में सामने आया है। कैदियों ने जेल अधिकारियों और पुलिस पर पथराव किया। वहीं पुलिस ने भी उग्र कैदियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। जेल परिसर से काला धुआं उठता देखा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। गुरदासपुर में केंद्रीय जेल के कैदियों ने जेल कर्मचारियों के दुर्व्यवहार से परेशान होकर उनपर पथराव कर तोड़फोड़ की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। 5 पुलिसकर्मी तथा कुछ कैदी इस घटना में घायल हो गए हैं। गुरदासपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद जेल में हालात काफी संवेदनशील है। कैदियों ने जेल कर्मचारियों और अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कैदियों का कहना है कि उनके साथ न केवल दुर्?यवहार किया जाता है, बल्कि अनावश्यक तरीके से कड़े प्रतिबंध भी लगा दिए गए हैं। कथित तौर पर कैदी जेल के कर्मचारियों के दुर्व्यवहार, उचित चिकित्सा उपचार नहीं मिलने और कड़े प्रतिबंधों से परेशान थे। भड़के हुए कैदियों ने पुलिस फोर्स पर हमला कर कई पुलिसकर्मियों को गिरफ्त में ले लिया और उन्हें अपनी बैरकों में ले गए। कैदी इस कदर भड़के हुए थे कि पुलिस फोर्स बैरकों में घुसने की हिम्मत नहीं कर सका। कैदियों की गिरफ्त में फंसे जेलकर्मियों को छुड़ाने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी।

आखिर क्या हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर...जिस लेकर एसबीआई को फिर लगी सुप्रीम कोर्ट से फटकार

-16 मार्च को 5 बजे शाम तक का दिया समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से फटकार खाने के बाद आखिरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को दो पीडीएफ फाइलें सौंप दी, लेकिन जो सबसे बड़ा मुद्दा था, उसका खुलासा हुआ ही नहीं। मुद्दा था यूनिक बॉन्ड नंबर को लेकर, जो होते हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने फिर से एसबीआई को फटकार लगाकर ये बात पूछ ली कि अल्फान्यूमेरिक नंबर कहां है। इस क्यों जारी नहीं किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 16 मार्च को 5 बजे शाम तक इन डेटा के बारे में जानकारी दे। मामला यहीं तक नहीं रुका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसबीआई 18 मार्च तक इस बात का भी जवाब दे कि उसने बॉन्ड नंबर क्यों नहीं जारी किया। इसके बाद आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि आखिर ये बॉन्ड नंबर या अल्फान्यूमेरिक नंबर आखिर होता क्या है? जो पार्टियों को लेकर इतनी बड़ी पोल खोल देगा, जिसका अंदाजा लगाना अभी थोड़ा मुश्किल हैं।

गौरतलब है कि अभी तक सभी को इंतजार था कि चुनावी बॉन्ड मिलने के बाद इस बात का पता लग जाएगा कि किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को कितने रुपये की रकम दान दी। 14 मार्च को जब इलेक्टोलल बॉन्ड चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुआ तब इस बात का पता चल गया कि किस कंपनी ने कितने रुपये की रकम दी है। और ये भी पता चल गया किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन इस बात का नहीं पता चला कि किस विशेष कंपनी ने किस एक पार्टी को कितने रुपये दी है।

जब भी कोई कंपनी या व्यक्ति कोई भी बॉन्ड पार्टी के नाम से खरीदता है, तब उस एक कोड दिया जाता है। अल्फान्यूमेरिक कोड ठीक उसी तरह होता है जैसे आप पासवर्ड या कुछ आईडी वगैरह बनाते हैं तब उसमें कुछ अल्फाबेट कुछ नंबर या/और स्पेशल कैरेक्टर को मिलाकर कोड बनाते हैं। उसी तरह जब पार्टियों को चंदा देने के लिए कोई बॉन्ड खरीदता है, तब एसबीआई की तरफ से जो बॉन्ड दिया जाता है उसमें भी इसी तरह का एक कोड होता है। इस अल्फान्यूमेरिक नंबर से होता क्या है? इससे फायदा यह होता है कि इस बात की पहचान उस कोड से हो जाती है कि आखिर बॉन्ड को खरीदने और बेचने वाला व्यक्ति या कंपनी कौन है।

14 मार्च को आयोग की वेबसाइट पर पब्लिश हुई इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल में ये बताया गया है कि किस कंपनी ने पैसा दिया, और ये भी बताया गया कि किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन, ये नहीं बताया गया है कि किस कंपनी ने किस एक पार्टी को कितना रुपया दिया।

जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोड़ना बंद किया

-फुकुशिमा प्लांट के पास आए 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद फैसला

टोकियो ।जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोड़ना बंद कर दिया है।यह फैसला शुक्रवार सुबह फुकुशिमा प्लांट के पास आए भूकंप के बाद लिया गया। फुकुशिमा के उत्तरपूर्वी तट पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। यहां 2011 में सुनामी आई थी, जिससे प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा था।पानी छोड़े जाने की देखरखे कर रही टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने एक्स पर लिखा- भूकंप से पानी छोड़ने जाने की प्रोसेस पर असर नहीं हुआ है। हालांकि, सुरक्षा को देखते हुए पानी छोड़ना बंद किया गया है। जापान अपने खराब हो चुके फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में मौजूद 132 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव वॉटर को 24 अगस्त 2023 को पैसेफिक ओशन में छोड़ना शुरू किया था।

पाकिस्तान में गलत प्रिंट के नोटों की भरमार, बदलने के लिए लगी बैंकों में कतार

कराची।अपने हाथ में गलत छपे हुए नोट दिखाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है।उस व्यक्ति ने कहा कि उन्हें 1000 रुपये, 500 रुपये और 5000 रुपये की कीमत वाले नए नोट मिले हैं।हालांकि गलत छपे हुए नोट सामने से बिल्कुल सही दिख रहे थे, लेकिन जब उन्होंने नोटों को पलटा तो पीछे की तरफ छपाई अधूरी थी। उन्होंने दावा किया कि नए नोटों के कई पैकेट पहले ही ग्राहकों तक पहुंचा दिए गए थे और उन्होंने इस बात पर अनभिज्ञता जताई कि उनमें से कितने गलत तरीके से छापे गए थे।उन्होंने बताया कि मामला तब सामने आया जब एक ग्राहक ने बैंक को ऐसे दो नोट लौटाए।प्रबंधक ने पाकिस्तानी 1000 रुपये के नोटों का एक और पैकेट दिखाया, जिसमें दो गलत मुद्रित नोट थे। सेंट्रल बैंक कहा रहा है कि वह इस बात की जांच कर रहा है कि एक हजार रुपये का गलत नोट प्रिंट करके बैंकों को कैसे भेज दिए गए। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के एक प्रवक्ता ने कहा कि जिन बैंकों और व्यक्तियों को गलत प्रिंट नोट मिले हैं वह उन्हें बदलवा सकते हैं और इसके लिए उन्हें बैंक के ब्रांच ऑफिस में जाना होगा जहां से उन्हें नोट मिले हैं।इसके लिए पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक ने 16 ऑफिस भी लिस्ट किए हैं।इससे पहले एक मिनट का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पाकिस्तान के 1000 रुपये के नोट के पीछे कोई छपाई नहीं दिखाई दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो शूट करने वाला व्यक्ति कैमरे के सामने नहीं आया लेकिन उसने खुद को कराची के मॉडल कॉलोनी में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान (एनबीपी) का शाखा प्रबंधक बताया है।

एफबीआई से भारतवंशियों की शिकायत, कहा-खालिस्तानी हमारे स्कूलों-दुकानों पर आकर धमका रहे

कैलिफोर्निया ।अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों ने एफबीआई, जस्टिस डिपार्टमेंट और कैलिफोर्निया के सिलिकॉन वैली की लोकल पुलिस के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अमेरिकी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए किया जा रहा है। इस दौरान हिंदुओं और जैन धर्म के मंदिरों के खिलाफ हेट क्राइम के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में करीब 25 भारतीय-अमेरिकी नागरिक मौजूद रहे। उन्होंने कहा- मंदिरों पर अचानक हमले बढ़ गए हैं, जिसकी वजह से यहां रह रहे भारतीय और भारतवंशी डर में हैं। खालिस्तान समर्थक स्कूलों और भारतीयों की दुकानों के बाहर ट्रक खड़ा कर उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश करते हैं।

जंग के बीच फिलिस्तीन को मिला नया पीएम

गाजा ।इजराइल हमास युद्ध के बीच फिलिस्तीन के पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था, अब उनकी जगह मोहम्मद मुस्तफा ने ले ली है। पीएम मुस्तफा को उनके आक्रामक ढंग से काम करने के लिए जाना जाता है।उन्होंने हमास के कंट्रोल वाले गाजा में भी सुधार के कई प्रयास किए थे। माना जा रहा है कि वे युद्ध रुकवाने से लेकर पूरे फिलीस्तीन को एकजुट करने जैसा काम भी कर सकते हैं।फिलहाल गाजा पट्टी पर हमास का कब्जा है, जबकि वेस्ट बैंक में फिलिस्तानी अथॉरिटी (पीए) काम कर रही है।अगर हमास प्रमुख राजी हो जाएं तब दोनों इलाकों के लिए एक नेशनल सरकार बन सकती है. नए पीएम पहले भी ऐसी कोशिश करते रहे थे। गाजा पट्टी, इजरायल, मिस्र और भूमध्य सागर के बीच बसा एक छोटा-सा क्षेत्र है, जहां फिलिस्तीनी रहते हैं।ये पूरा हिस्सा केवल 41 किलोमीटर में फैला हुआ है, जहां बेहद घनी आबादी रहती है। वहीं वेस्ट बैंक भूमध्य सागर के तट के पास जमीन से घिरा एक इलाका है। इसकी सीमा पूर्व में जॉर्डन और डेड सी लगती है, जबकि उत्तर, दक्षिण और पश्चिम में सीमा इजरायल से लगती है।

अमेरिका ने सीएए को लेकर दिया बयान तो भारत ने दिया जवाब

-सीएए पर अमेरिका की गलत बयानबाजी

नई दिल्ली। देश में 11 मार्च को लागू किए गए सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून पर अमेरिका के बयान को लेकर भारत ने जवाब देते हुए कहा है कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दरअसल अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सीएए नोटिफिकेशन को लेकर अमेरिका चिंतित है और इस पर करीब से निगरानी की जा रही है। अमेरिका के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा है, कि नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 भारत का अपना आंतरिक मामला है।इस पर अमेरिका का यूं बयान देना गलत है।इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर कह चुके थे कि अमेरिका 11 मार्च को आए सीएए नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित है। इस कानून को किस प्रकार से लागू किया जाएगा इस पर अमेरिका करीब से निगरानी कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करना और कानून के तहत समस्त समुदायों के साथ बराबरी से पेश आना लोकतांत्रिक सिद्धांत है।वहीं जायसवाल ने कहा कि सीएए नागरिकता देने के बारे में है, न कि नागरिकता छीनने के बारे में। यह मानवीय गरिमा और मानवाधिकारों का समर्थन करने वाला है।

पाकिस्तान ने सीएए को बताया भेदभावपूर्ण

यहां अमेरिका और भारत की बयानवाजी चल रही थी तभी पाकिस्तान ने भी सीएए पर अपना मत देते हुए कहा कि सीएए कानून भेदभावपूर्ण है। दरअसल पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच का कहना है, कि सीएए कानून का यूं लागू किया जाना सही मायने में हिंदू फासीवादी देश का भेदभावपूर्ण एक कदम है। मुमताज बलोच आगे कहते हैं कि यह कानून आस्था के आधार पर लोगों में भेद पैदा करता है।इस गलत धारणा पर सीएए आधारित है कि मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है और भारत अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित देश है।

टोक्यो में लोग जापानी इमपीरियल सैन्य पोशाक और झंडा लेकर यशुकुनी स्मारक पहुंचे।

फ्रांस के राष्ट्रपति का दावा- यूरोप शांति चाहता है तो युद्ध के लिए तैयार रहना होगा

पेरिस।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने एक टेलीविजन इंटरन्यू में कहा कि आज, यूक्रेन को समर्थन देने के खिलाफ वोट देने या अनुपस्थित रहने का निर्णय, यह शांति नहीं चुन रहा है, यह हार चुन रहा है। मैक्रॉन की मुख्य विपक्षी पार्टी, मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी, फ्रांस द्वारा यूक्रेन के साथ हस्ताक्षरित सुरक्षा समझौते के बारे में सप्ताह की शुरुआत में संसद में मतदान में अनुपस्थित रही, जबकि कट्टर वामपंथी फ्रांस अनबोएड पार्टी ने इसके खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप शांति चाहता है तो

उसे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रूस को एक ऐसा प्रतिद्वंद्वी कहा जो दो साल पुराने संघर्ष में कीव के सैनिकों को हराने के बाद भी यूक्रेन में नहीं रुकेगा।मैक्रॉन ने फरवरी में यह कहकर विवाद पैदा कर दिया था कि वह भविष्य में यूक्रेन में जमीनी सैनिकों की तैनाती से इनकार नहीं कर सकते, कई नेताओं ने खुद को इससे दूर कर लिया, जबकि अन्य, विशेष रूप से पूर्वी यूरोप ने समर्थन व्यक्त किया।मैक्रॉन ने कहा, अगर यूरोप में युद्ध फैलता है, तो रूस जिम्मेदार होगा। लेकिन अगर हमने कमज़ोर होने का फैसला किया; अगर हमने आज तय कर लिया कि हम जवाब नहीं देंगे, तो यह पहले से ही हार चुनना होगा। और मैं ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि यूरोप के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह लाल रेखाएं न खींचे, जो क्रेमलिन की कमजोरी का संकेत होगा और उसे यूक्रेन पर आक्रमण के लिए प्रोत्साहित करेगा।

राजा वापस आओ, देश बचाओ के लगे नारे

नेपाल में डेढ़ दशक बाद राजशाही समर्थकों ने खोला मोर्चा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में डेढ़ दशक बाद राजशाही समर्थकों ने राजा वापस आओ, देश बचाओ के नारे बुलंद करना शुरु कर दिए हैं। कहा जा रहा है कि नेपाल को राजशाही के बहाने वापस हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने के लिए यह मुहिम चलाई गई है। गौरतलब है कि राजशाही खत्म होने और लोकतंत्र बहाल होने के साथ ही नेपाल को सेकुलर देश घोषित कर दिया गया था। अब यहां राजशाही लाने के लिए आंदोलन हो रहे हैं।

यहां बतलाते चलें कि कुछ रोज पहले ही काठमांडू की सड़कों पर राजशाही समर्थक उतरे थे और राजा वापस आओ, देश बचाओ, जैसे नारे भी लगाए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि देश की सारी राजनैतिक पार्टियां भ्रष्टाचारी हैं। इन पर आरोप लग रहा है कि ये दूसरे धर्मों को बढ़ावा दे रही हैं। इससे नेपाल की पहचान को खतरा उत्पन्न होने की भी बात कही जा रही है। ऐसे में इन लोगों ने राजपरिवार को दोबारा शासन सौंपे जाने और उन्हें देश के लिए नियम तय करने देने की मांग उठाई है। राजनीतिक भ्रष्टाचार से देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ने के आरोप भी लगते रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजशाही खत्म होने के बाद राजनीतिक दलों ने चीन से नजदीकियां बढ़ा ली हैं और इनवेस्टमेंट के नाम पर चीन लगातार नेपाल में घुसपैठ कर रहा है। नेपाल की सड़कों को बनाने से लेकर एयरपोर्ट का कार्य भी चीन के पास है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि नेपाल चीनी कर्ज में डूब गया तो वह रसातल में चला जाएगा।

बड़ी संख्या में हुआ धर्मांतरण

राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल में धर्मांतरण के मामले बढ़ गए हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि थिंक टैंक गॉर्डन कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिन्री की एक दशक पूर्व की रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि नेपाल में चर्च जिस तेजी से बढ़े हैं, उसका प्रतिशत दुनिया में सबसे ज्यादा है। आरोप है कि कथित तोर पर दलित समुदाय में धर्मांतरण के मामले सबसे ज्यादा सामने आए हैं।

सेंसस 2021 के अनुसार नेपाल में हिंदुओं की कुल आबादी 81 फीसदी से ज्यादा है। यहां 8 फीसद के करीब बौद्ध धर्म के लोग रहते हैं। इस्लाम मानने वालों की तादाद 5 फीसदी से कुछ ज्यादा ही है और अंत में ईसाई धर्म के लोग आते हैं, बाकी मिले-जुले धर्म के लोग हैं। एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा जा रहा है कि नेपाल में महज कुछ सालों में ही 7,758 चर्च बनाए जा चुके हैं।

राजशाही को कमजोर करने वाली घटना

गौरतलब है कि साल 2008 में नेपाल के आखिरी राजा ज्ञानेंद्र को अपदस्थ कर राजशाही खत्म कर दी गई थी। इससे पहले जून 2001 में हुई घटना में रॉयल परिवार के ही एक सदस्य ने फैमिली के 9 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटनाक्रम के बाद राजशाही पर संकट गहराया और लोकतांत्रिक सरकार बनाने की मांग भी तेजी से उठी। अभी नेपाल में लोकतंत्र को डेढ़ दशक ही हुए थे कि राजा ज्ञानेंद को दोबारा देश की बागडोर देने की मांग जोर पकड़ने लगी है। राजा वापस आओ, देश बचाओ के नारे बुलंद किए जा रहे हैं।

पाक पीएम शहबाज ने नहीं की सीएए की घोषणा

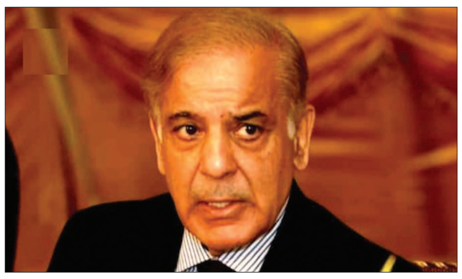

करांची (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा की गई पोस्ट बताया गया है। इस पोस्ट के मुताबिक पीएम शहबाज ने घोषणा की है कि भारत की ही तरह वो भी सीएए लागू करने जा रहे हैं और भारत में जो मुस्लमान प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं वो पाकिस्तान की नागरिकता ले सकते हैं। जब इसकी हकीकत जानने को सर्च किया गया तो मालूम चला कि वायरल पोस्ट भ्रामक और झूठी है, जिसका सच्चाई से कोई वास्ता है ही नहीं। गौरतलब है कि पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर जो पोस्ट वायरल करना बताया गया है वह पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट है। जिसमें पीएम शहबाज शरीफ पाकिस्तान में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की घोषणा कर रहे हैं। इस पोस्ट के मुताबिक वो कह रहे हैं कि वह भारतीय मुसलमान जो भारत में प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं, उन्हें पाकिस्तानी नागरिकता दी जाएगी। जब वायरल पोस्ट का सच जानने की कोशिश की गई तो मालूम चला कि वायरल स्क्रीनशॉट का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। सच जानने की कोशिश कर रहे विशेषज्ञों का तो यही कहना है कि शहबाज शरीफ ने भारत में सोमवार 11 मार्च को लागू किए गए सीएए के संबंध में किसी भी तरह की कोई पोस्ट नहीं किया है। इसके लिए पीएम शहबाज शरीफ के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी देखा जा सकता है, जिसमें आखिरी पोस्ट 10 मार्च 2023 को अपलोड की गई दर्शा रही है। ऐसे में उनके नाम से वायरल स्क्रीनशॉट तारीख 11 मार्च को दिखाया गया है, जो कि झूठा और भ्रामक है।

रमजान में खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली एयरस्ट्राइक

-29 की मौत; हूतियों की कैद में 25 क्रू मेंबर्स, रिहाई का फैसला हमास करेगा

गाजा (एजेंसी)। गाजा के अल-नुसीरत कैंप के पास बने एड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (सहायता वितरण केंद्र) पर इजराइल ने एयरस्ट्राइक कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, नॉर्थ गाजा के एक एड पॉइंट पर खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली सैनिकों ने गोली चला दी। इस दौरान 21 लोग मारे गए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों हमलों में कुल 29 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

इधर, 19 नवंबर को हूती विद्रोहियों ने कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक किया था। इसके 25 क्रू मेंबर्स को बंधक बनाया था। अब हूतियों का कहना है कि इन बंधकों की जिंदगी हमास के हाथ में है। दरअसल, इजराइल-हमास जंग के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर और अरब सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं।

4 महीने से हूतियों की कैद में 25 क्रू मेंबर्स

हाईजैकिंग के 116 दिन बाद भी 25 क्रू मेंबर्स (17 फिलीपींस, 2 बुल्गारिया, 3 यूक्रेन, 2 मेक्सिको, एक रोमानिया) के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिलीपींस के अधिकारों का मानना है कि क्रू मेंबर्स को तब तक रिहा नहीं किया जाएगा जब तक इजराइल-हमास जंग खत्म नहीं होती।

भारत आ रहा था जहाज

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाइजैक कर लिया था। ये जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाइजैक किया था। इजराइल डिफेंस फोर्सेज के मुताबिक, जहाज पर बहामास का झंडा लगा था। यह ब्रिटिश कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इजराइली कारोबारी अब्राहम उंगर इसके आंशिक हिस्सेदार हैं। फिलहाल यह एक जापानी कंपनी को लीज पर दिया गया था।

अमेरिका ने चेताया: कहा-भारत और चीन के बीच कभी भी हो सकती है झड़प

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच चल रही तनातनी किसी से छिपी नहीं है। आए दिन दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प वाली खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच अमेरिका की एक रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी पर जिस तरह के हालात बन रहे हैं वे काफी खतरनाक हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले दिनों भारत और चीन के बीच कभी भी झड़प हो सकती है। अमेरिका ने चीन की विस्तारवादी नीति का जिक्र करते हुए यह भी कहा है कि चीन की सैन्य विस्तार की योजना, आक्रामक चीनी साइबर अभियान और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की चीन की कोशिशें ठीक नहीं हैं।

अमेरिकी एजेंसियों का मानना है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब दोनों ही देशों के सैनिकों की उपस्थिति आज भी जारी है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि कैसे चीन अपनी शक्ति दिखाने और विदेशों में अपने हितों की रक्षा करने के लिए श्रीलंका और पाकिस्तान सहित कई अन्य देशों में सैन्य अड्डे स्थापित करना चाहता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और चीन के बीच विवादित सीमा को लेकर तनाव की स्थिति फिलहाल बनी रहेगी। दोनों देशों के बीच भले ही 2020 के बाद से झड़प देखने को नहीं मिली है, लेकिन वे बड़ी संख्या में अपने सैनिकों को तैनात किए हुए हैं। इसके कारण दोनों देशों के बीच छिटपुट मुठभेड़ों का जोखिम बना हुआ है।रिपोर्ट में चीन की सैन्य विस्तार की योजना, आक्रामक चीनी साइबर अभियान और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की चीन की कोशिशों की भी बात की कही गई है। इसमें इजरायल-हमास युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध सहित अन्य संघर्षों का भी जिक्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया। यह सुरंग तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। आपको बता दें कि मई 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा के लद्दाख सेक्टर में चीन के साथ सैन्य गतिरोध शुरू होने के बाद से भारत-चीन सीमा के पास बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आई है। दोनों देशों ने लद्दाख सेक्टर में लगभग 50,000 सैनिकों की तैनाती की है।

पाकिस्तान की तरफ से किसी भी उकसावे की स्थिति में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष की ओर भी इशारा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान 2021 की शुरुआत में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के बाद अपने संबंधों में शांति को बनाए रखने को इच्छुक दिख रहे हैं। हालांकि, इस दौरान दोनों ही देशों में से किसी के भी द्वारा रिश्ते को सामान्य करने की कोशिश नहीं की गई। रिपोर्ट में कहा है, भारत विरोधी आतंकवादी समूहों का समर्थन करने का पाकिस्तान का लंबा इतिहास रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तानी उकसावों का सैन्य बल के साथ जवाब देने की भारत की बढ़ती इच्छा भी देखने को मिली है।

पाकिस्तान पर भारत का खौफनाक प्लान, 293 Km/hr की रफ्तार से 'उड़ता टैंक' होश उड़ा देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना का सबसे ताकतवर हेलीकॉप्टर है जिसे उड़ता हुआ टैंक भी कहा जाता है। इंडियन आर्मी को मिलने वाले अपाचे हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल भी भारत के दुश्मन नं 1 के खिलाफ होगा। भारतीय सेना अपाचे फाइटर हेलीकॉप्टर को पाकिस्तान की सीमा पर तैनात करेगी। ताकी पड़ोसी सीमा पर किसी भी प्रकार की हिमाकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारतीय सेना को कुल 6 अपाचे हेलीकॉप्टर मिलने हैं। लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के हिंडन वायु सेना स्टेशन पर उतरने की उम्मीद है और फिर भारत-पाकिस्तान सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये हाई-एंड हेलिकॉप्टर अमेरिका में विनिर्माण इकाइयों के अधीन हैं और इस साल मई तक जोधपुर पहुंचेंगे।

राजस्थान की सीमा के पास पाकिस्तान की तरफ से टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के हमले का खतरा बना रहता है। अपाचे हेलीकॉप्टर ऐसे किसी भी हमले से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है। अपाचे हेलीकॉप्टर को आसमान में उड़ता हुआ टैंक भी कहा जाता है। एक टैंक जिस तरह से दूसरे टैंक को बर्बाद करता है ठीक उसी तरह अपाचे हेलीकॉप्टर भी दुश्मन के टैंकों को बर्बाद कर देता है। अपाचे में तीस मिलीमीटर की एक चेन गन होती है जिसका नियंत्रण पायलट के हेलमेट में होता है।

आर्मी एविएशन कोर वर्तमान में ध्रुव और चेतक जैसे उपयोगिता हेलीकॉप्टरों का संचालन करती है। उसने पिछले साल असम के मिसामारी में स्वदेशी रूप से विकसित लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड का निर्माण किया था। डेटा नेटवर्किंग के माध्यम से हथियार प्रणालियों तक युद्धक्षेत्र की तस्वीर प्रसारित करने और प्राप्त करने की इन हेलीकॉप्टरों की क्षमता इसे एक घातक अधिग्रहण के रूप में वर्गीकृत करती है। भारतीय वायुसेना पहले से ही 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों का एक बेड़ा संचालित करती है जिन्हें पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों पर तैनात किया गया है। पहले स्क्वाडन को पठानकोट के पास तैनात किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि अपाचे हेलीकॉप्टरों का पहला स्क्वाड्रन आज एविएशन कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय सूरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बनाया गया।

अबकी बार ... दल बदले... दिल बदले

मुस्ताअली बोहरा

कई छोटे-बड़े नेता हैं जो भाजपा में चले तो गए लेकिन रसूख गवां बैठे। जो नेता अपनी पार्टियों में शीर्ष नेताओं में गिने जाते थे लेकिन बीजेपी में इनकी वो हैसियत नहीं है। पुराने भाजपाई ऐसे दल बदलुओं की हैसियत बढ़ने देंगे ऐसा लगता भी नहीं है। हालांकि, ये भी सवाल जहन में आ सकता है कि जब भाजपा में सम्मान नहीं मिल रहा तो ये नेता उस पार्टी में जा क्यों रहे हैं। जवाब सीधा है, जो लोग भाजपा में जा रहे हैं या तो उन्हें पद चाहिए या फिर संरक्षण। कई नेताओं के सीधे कारोबार हैं या वो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से किसी ना किसी कारोबार से जुड़े हुए हैं लिहाजा उन्हें अपना व्यावसायिक हित साधना है। कई नेता ईडी के छापे के डर से भी पार्टी बदल रहे हैं। खैर, ऐसे कितने ही लोग कांग्रेस में हैं जो लंबे समय से सत्ता से दूर है लेकिन निष्ठा नहीं बदली।

पद की लालसा या कारोबारी संरक्षण ! कांग्रेस से हार रही कांग्रेस...

अबकी बार ... 400 पार के नारे और अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव के समर में भाजपा उतर चुकी है। केन्द्र में यदि फिर से भाजपा की सरकार बनती है तो इसे चुनावी रणनीति से मिली जीत और संगठनात्मक सफलता माना जाएगा। वहीं कांग्रेस की हार के पीछे शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं के बीच तालमेल का अभाव, पार्टी नेताओं के बीच आपसी संवादहीनता मुख्य वजह होंगे। लंबे समय तक पूरे देश में राज करने वाली पार्टी यदि आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है तो इसकी वजह भाजपा नहीं बल्कि खुद वो नेता हैं जो अपनी ही पार्टी को खोखला करते रहे। इनके अलावा मौकापरस्त नेताओं ने भी उसूलों को तिलांजलि देते हुए पाला बदल लिया। 2019 के लोस चुनाव से पहले कांग्रेस में जो अफरातफरी मची है वो अभी तक नहीं थमी है। ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश का है जहां कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और ब्राम्हण नेता सुरेश पचौरी सहित कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया।

देश भर में लोकसभा चुनाव को लेकर लहर चल रही है। मार्च के मध्य में चुनाव आयोग चुनावी कार्यक्रम घोषित कर सकता है। बीजेपी 400 पार के टारगेट पर जुट गई है। कांग्रेस भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए जनता के बीच है। लेकिन कांग्रेस के आगे एक बाद एक नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रासवोटिंग का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि इधर मध्यप्रदेश कांग्रेस में तूफान आ गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा हाल ही में मध्यप्रदेश से गुजरी है और कांग्रेस को लगातार झटके लगना शुरू हो गए हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलें थीं। कई दिनों तक मीडिया में ऐसी खबरे तैरतीं रहीं लेकिन कमलनाथ और नकुलनाथ ने तो हाथ का साथ नहीं छोड़ा बल्कि मप्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचैरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजू खेड़ी, इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के साथ और भी कई नेताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चैहान की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ले ली। सुरेश पचैरी को राजीव गांधी और सोनिया गांधी से खास संपर्क में रहने के कारण गांधी परिवार का करीबी माना जाता रहा है। उन्होंने पांच दशक से ज्यादा कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। वे चार बार राज्यसभा के सदस्य रहे। यूथ कांग्रेस से [illegible] की शुरूआत करने वाले पचैरी की गिनती नेहरू-गांधी परिवार के बेहद विश्वासपात्र नेताओं में रही। मनमोहन सिंह सरकार में सुरेश पचैरी स्वतंत्र प्रभार वाले रक्षा राज्यमंत्री रहे। संसदीय कार्य विभाग उनके पास रहा। वे डीओपीटी विभाग को भी मनमोहन सरकार में संभालते रहे। सुरेश पचैरी को मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की बागडोर भी सौंपी गई। केन्द्रीय इकाई में अनेक महतवपूर्ण पद संभाले। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि पचैरी काफी पहले से ही अपनी पार्टी के नेताओं से नाराज थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्हें तवज्जों नहीं मिली। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से उनकी पटरी नहीं बैठती थी, और प्रदेश अध्यक्ष रहते कमलनाथ ने भी पचैरी को भाव नहीं दिया। उनकी नाराजगी इस बात से भी जाहिर हो गई थी वे राहुल गांधी की यात्रा के दौरान भी कहीं नजर नहीं आए। कांग्रेस ने भोपाल लोकसभा सीट पर उन्हें उमा भारती के सामने उतारा था, लेकिन उन्हें शिकस्त मिली। भोजपुर विधानसभा सीट से भी कांग्रेस ने पचैरी को विधायक का टिकट दिया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पचैरी के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने से कांग्रेस को लोस चुनाव में कोई नुकसान होगा ऐसा लगता नहीं है। लेकिन ये मैसेज आमजन के बीच जरूर जाएगा कि कांग्रेस अपने ही बड़े नेताओं को नहीं संभाल पा रही है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

इन सबके इतर, ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी नेता ने पाला बदला हो। इससे पहले बिहार और बिहार से पहले महाराष्ट का घटनाक्रम अभी भी देशवासियों के जहन में ताजा है। इन दोनों ही राज्यों में तो नेताओं के साथ सरकार तक बदल गई। खैर, जो नेता अपनी पुरानी पार्टी को छोड़ नई पार्टी में गए उनका क्या हश्र ये बताने की जरूरत नहीं। कई पुराने कांग्रेसी नेता जो आज भाजपा में हैं वो ना इधर के रहे और ना उधर के।

कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं को भाजपा में बेहतर राजनीतिक भविष्य नजर आ रहा है। पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने बीजेपी का दामन थामा और इसके एक दिन बाद ही बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिया। बीजेपी में शामिल होने वाले कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्रियों में अमरिंदर सिंह, दिगंबर कामत, एसएम कृष्णा, विजय बहुगुणा, एन किरण रेड्डी, एनडी तिवारी, जगदम्बिका पाल और पेमा खांडू आदि शामिल हैं। पचैरी की तरह सभी नेता ये कहते रहे हैं कि उन्हें पद की लालसा नहीं है लेकिन पार्टी बदलने के पीछे खालिस जनसेवा का मकसद हो ऐसा भी नहीं होता। बतौर उदाहरण, अमरिंदर सिंह राजनीति में कम सक्रिय हैं। अमरिंदर सिंह चाहते थे कि उनकी राजनीतिक विरासत को उनकी बेटी आगे बढ़ाए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के बेटे उत्तराखंड की धामी सरकार में कैबिनेट सदस्य हैं। पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी के लिए बहुमत हासिल किया। यही वजह है कि खांडू लगातार सीएम बने हुए हैं। एनडी तिवारी अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करना चाहते थे। हालांकि, अपने बेटे को आगे बढ़ा पाते इससे पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया। इसी तरह बढी उम्र के कारण एसएम कृष्णा भी राजनीति से दूर हो गए। यदि पूर्वोत्तर की बात की जाए तो कांग्रेस ने सरमा को सीएम बनाने का वादा पूरा नहीं किया और तरुण गोगोई को बरकरार रखा। हालांकि पाला बदलने के बाद सरमा सीएम बनने में कामयाब हो गए। बीरेन सिंह ने भी कांग्रेस से किनारा कर लिया। उन्होंने 2017 में बीजेपी को बहुमत दिलाया। तोहफे में उन्हें सीएम बनाया गया और मणिपुर में लगातार हिंसा के बाद उन्हें हटाने की मांग के बावजूद वह सीएम बने हुए हैं। साहा को सीएम बनने का मौका नहीं मिला क्योंकि त्रिपुरा में माणिक सरकार के तहत सीपीआई-एम का कार्यकाल लंबा था। 2023 में भाजपा में शामिल होने और बिप्लब कुमार देब के उत्तराधिकारी बनने के बाद उनके सितारे बुलंद हुए।

पूर्व मुख्यमंत्रियों के अलावा, कांग्रेस और अन्य दलों के कई अन्य शीर्ष नेता भी पिछले कुछ वर्षों में भाजपा में शामिल हुए हैं। इनमें राहुल गांधी के पूर्व सहयोगी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद शामिल हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराने में कामयाब रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बनाया गया, जबकि प्रसाद यूपी में भाजपा सरकार में मंत्री हैं। आरपीएन को हाल ही में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था। कहा जा सकता है कि भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं की लंबी सूची में से सरमा और सिंधिया को ही फायदा हुआ है। विमानन और इस्पात मंत्रालयों का प्रभार संभालने के अलावा, सिंधिया ने 2023 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कई समर्थकों के लिए टिकटों का प्रबंधन किया। दो अन्य पूर्व मुख्यमंत्री, शिवसेना से नारायण राणे और बाबूलाल मरांडी भी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए। राणे केंद्रीय मंत्री हैं और मरांडी भाजपा नेता के रूप में झारखंड के पहले सीएम रह चुके हैं, जिन्हें राज्य इकाई प्रमुख के रूप में पार्टी का चेहरा बनाया गया है।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले ज्यादातर नेताओं ने आस्था परिवर्तन की जो वजहें गिनाईं उनमें से एक तो यहीं है कि उन्हें यथोचित सम्मान नहीं मिला। खास बात ये भी है कि ऐसे नेता कांग्रेस में रहकर ही विधायक, सांसद, केन्द्रीय मंत्री बनें। उनका आज जो भी राजनीतिक कद है वो कांग्रेस ने ही बनाया। कांग्रेस के जमीन से जुड़े कार्यकताओं का कहना है कि भले ही आज कांग्रेस की वह स्थिति नहीं है जो पहले थी लेकिन इसका ये मतलब तो नहीं कि आप पार्टी के अच्छे दिनों का लाभ उठाकर अपना रसूख बना लें और जब पार्टी का बुरा दौर हो तो उसी पार्टी को धोखा दे दें। सत्ताधारी पार्टी में जाने शामिल होने वाले नेताओं की मंशा भी लोग भलीभांति जानते हैं फिर चाहे वो पाला बदलने के पीछे कुछ भी कहते हों। ऐसे नेताओं को तात्कालिक लाभ भले ही मिला हो लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहतर नजर नहीं आए। कांग्रेस ही नहीं दिगर पार्टी या दलों से जो लोग बीजेपी में गए उनमें से ज्यादातर हासिए पर ही हैं। बतौर उदाहरण, रीता बहुगुणा जोशी महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा उत्तर प्रदेश कांग्रेस की भी अध्यक्ष रह चुकी हैं और साल 2012 में पार्टी ने उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। इसके अलावा वो समाजवादी पार्टी में भी रह चुकी हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा उनके बड़े भाई हैं। उनकी जो हैसियत और सम्मान कांग्रेस में ही थी वो अब नहीं है। जहां वो खुद टिकट बांटती थीं, आज एक टिकट लेने के लिए लाले पड़ रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद अपने बेटे के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं बना पा रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेहद खास रहे अमेठी के पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री संजय सिंह भाजपा में गए। संजय सिंह के बारे में कहा गया कि शायद वो अपनी राज्यसभा सीट बचाने के लिए बीजेपी में गए हों। प्रतापगढ़ से कई बार सांसद रह चुकीं और पूर्व विदेश मंत्री दिनेश सिंह की बेटी राजकुमारी रत्ना सिंह का कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाना बेहद चैंकाने वाला था। दिलचस्प बात ये है कि इनमें से किसी भी नेता को बीजेपी में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक नहीं दी गई। ऐसे कई छोटे-बड़े नेता हैं जो भाजपा में चले तो गए लेकिन रसूख गवां बैठे। जो नेता अपनी पार्टियों में शीर्ष नेताओं में गिने जाते थे लेकिन बीजेपी में इनकी वो हैसियत नहीं है। पुराने भाजपाई ऐसे दल बदलुओं की हैसियत बढ़ने देंगे ऐसा लगता भी नहीं है। हालांकि, ये भी सवाल जहन में आ सकता है कि जब भाजपा में सम्मान नहीं मिल रहा तो ये नेता उस पार्टी में जा क्यों रहे हैं। जवाब सीधा है, जो लोग भाजपा में जा रहे हैं या तो उन्हें पद चाहिए या फिर संरक्षण। कई नेताओं के सीधे कारोबार हैं या वो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से किसी ना किसी कारोबार से जुड़े हुए हैं लिहाजा उन्हें अपना व्यावसायिक हित साधना है। कई नेता ईडी के छापे के डर से भी पार्टी बदल रहे हैं। खैर, ऐसे कितने ही लोग कांग्रेस में हैं जो लंबे समय से सत्ता से दूर है लेकिन निष्ठा नहीं बदली। इसी तरह भाजपा में भी कई लोग विपक्ष में रहे लेकिन आस्था नहीं डिगी। ये वो लोग हैं जिनका कोई निजी स्वार्थ नहीं है, कारोबारी हित नहीं है, पद की लालसा नहीं है।

संपादकीय

कांग्रेस की कोशिश

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का समापन 16 मार्च को मुंबई में होगा। इस समापन समारोह को कांग्रेस पार्टी एक बड़े.राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर मनाना चाहती है। पार्टी के रणनीतिकार 17 मार्च को शिवाजी पार्क में एक बड़ी रैली के आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। उसके लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सहित इंड़िया गठबंधन के सभी दलों को आमंत्रित किया गया है। इस रैली के जरिये विपक्षी एकता की धुरी समझी जाने वाली कांग्रेस संदेश देना चाहती है कि इंड़िया गठबंधन की एकता अभी कमजोर नहीं हुई है। हालांकि पश्चिम बंगाल में ममता ने यहां की सभी 42 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करके अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। लेकिन कांग्रेस को अभी भी गठबंधन की उम्मीद है। हकीकत यह है कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम के शीर्ष नेता भाजपा के विरुद्ध संयुक्त विपक्षी मोर्चा बनाने के लिए सहमत हैं, लेकिन इन दलों के प्रादेशिक नेता तैयार नहीं हैं। जमीनी स्तर पर अपना राजनीतिक प्रभुत्व बढ़ाने के लिए इन दलों के कार्यकताओं के बीच हिंसक टकराव होते रहते हैं, जिसके कारण राष्ट्रीय नेतृत्व किसी तरह का गठबंधन नहीं बना पा रहा है। पिछले एक दशक के दौरान पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो बदलाव हुए उनसे राष्ट्रीय राजनीति अछूती नहीं रह सकती। 2019 के आम चुनाव में भाजपा को 40 फीसद वोट और लोक सभा की 18 सीटें मिली थीं जबकि तृणमूल कांग्रेस को 43 फीसद वोट और 22 सीटें। सड़क के संघर्ष में ममता का अनुभव नरेन्द्र मोदी से ज्यादा है तो संगठन को संजोने और उसके कामकाज का अनुभव मोदी के पास ज्यादा है। यही कारण है कि राज्य में दोनों के बीच बराबर की टक्कर है। इसलिए सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अकेले चुनाव लड़ने का फैसला करके ममता ने अपने पैर में कुल्हाड़ी तो नहीं मार ली। राहुल की चाहे जितनी भी आलोचना की जाए लेकिन वही कांग्रेस के संघर्ष का मोर्चा संभाले हुए हैं और इन दिनों भी पार्टी के शीर्ष नेता की तरह भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। अगर कांग्रेस के प्रयासों से इंड़िया गठबंधन के नेता एक मंच पर आते हैं और आपसी विवादों को दूर करने में सफल हो जाते हैं तो लोक सभा का चुनाव काफी दिलचस्प हो सकता है।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थों चातुचिन्तयेत् अर्थात् व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं। हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है। जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो। हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

रूस के राष्ट्रपति का चुनाव तानाशाह और लोकतंत्र का माडल

सनत जैन

आज से रूस में राष्ट्रपति के चुनाव शुरू हो गए हैं। तीन दिनों तक रूस में मतदान होगा। रूस का यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। जो पूरी तरीके से डिजिटल तरीके से कराया जा रहा है। पांचवीं बार पुतिन का राष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है। उनके सामने राष्ट्रपति पद के लिए तीन प्रत्याशी खड़े हुए हैं। जो उनके ही समर्थक बताए जाते हैं। निकोलाई खररितोनोव कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से, लियोनिड नेशनल लिबरल पार्टी की ओर से तथा व्लादिस्लाव न्यू नेशनल पार्टी की ओर से चुनाव में खड़े हैं। यह तीनों पुतिन की विचारधारा के समर्थक बताए जाते हैं। यूक्रेन से शांति प्रस्ताव का समर्थन कर रहे दो प्रत्याशियों बोरिस और याकेतेरना का नामांकन निरस्त कर दिया गया था। रूस में 6 साल के लिए चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव को जीतने के बाद 2030 तक पुतिन, राष्ट्रपति के पद पर बने रहेंगे। रूस का यह चुनाव एक तरह से जनमत संग्रह की तर्ज पर आयोजित किया गया है। इसमें विपक्ष भी है। विपक्ष राष्ट्रपति के समर्थन में खड़ा हुआ दिख रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वालों को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। पिछले 20 वर्षों में पुतिन का विरोध करने वाले 16 राजनेताओं की हत्या हो गई है। सैकड़ो विरोध करने वाले नेता जेलों में बंद है। 2018 के बाद से रूस में विपक्ष को बुरी तरीके से खत्म किया जा रहा है। उनके सबसे बड़े विरोधी आर्कटिक की 16 फरवरी को जेल में मौत हो गई। उनकी लाश भी उनके परिजनों को नहीं दी गई। पुतिन इस बार रिकॉर्ड स्तर पर जीतने की रणनीति बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। पुतिन चाहते हैं कि रूस के 70 फीसदी मतदाता कम से कम मतदान करें। इस मतदान में उन्हें न्यूनतम 80 फीसदी मत से जीत मिलनी चाहिए। इस चुनाव के लिये नियम बनाया गया है, पहले चरण में यदि प्रत्याशी को मतदान के 50 फीसदी वोट ना मिले तो दूसरे चरण की वोटिंग की जाएगी। ऐसी स्थिति में पहले ही चरण में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का चुनाव जीतना तय माना जा रहा है। पुतिन अपने पुराने सभी रिकार्ड को तोड़ने जा रहे हैं। 26 मार्च 2000 को हुए चुनाव में उन्हें 53.44 फीसदी वोट मिले थे। 14 मार्च 2004 को हुए चुनाव में उन्हें 71.91 फीसदी वोट मिले थे। 2 मार्च 2008 को हुए चुनाव में पुतिन को 71.25 फीसदी वोट मिले थे। 4 मार्च 2012 को हुए चुनाव में उन्हें 64.35 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। 18 मार्च 2018 को हुए चुनाव में उन्हें 77.53 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। पुतिन 2018 के रिकार्ड को तोड़ना चाहते हैं। वह यह भी बताना चाहते हैं, कि रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण उनकी लोकप्रियता रूस में बढ़ी है। रूस का राष्ट्रपति चुनाव एक तरह से तानाशाही वाले देशों के लिए रोल मॉडल बन गया है। यूक्रेन युद्ध की सच्चाई को दबाने के लिए सरकारी खजाने से सरकार ने 9000 करोड रुपए से ज्यादा प्रचार-प्रसार में खर्च किए हैं। युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव के ठीक पहले 1 से 7 मार्च के बीच में वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल कराया गया है। 20000 युवाओं को राष्ट्रपति पुतिन से मिलवाया गया है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पुतिन के सामने जो तीन प्रत्याशी हैं। वह विभिन्न मुद्दों पर पुतिन का समर्थन करते हैं। एक हिसाब से उन्हें पुतिन की बी टीम माना जाता है। रूस का चुनाव आयोग भी पूरी तरह से पुतिन के इशारे पर काम करता है। डिजिटल वोटिंग के माध्यम से रूस में चुनाव का सारा प्रबंधन चुनाव आयोग की देखरेख में हो रहा है। पुतिन की उम्र अभी 71 वर्ष की है। 6 साल के लिए यह चुनाव हो रहा है 77 वर्ष की उम्र तक वह रूस के राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। रूस के सबसे ज्यादा समय तक राष्ट्रपति रहने वाले तानाशाह जोसेफ स्टालिन का नाम सामने आता है। उनके बाद अब राष्ट्रपति का सबसे बड़ा कार्यकाल राष्ट्रपति पुतिन का होगा। पुतिन भी 2020 में रूस के संविधान को बदल दिया था। 2036 तक के लिए राष्ट्रपति बने रहने का इन्होंने संविधान में प्रावधान कर लिया है। रूस में चुनाव एक औपचारिकता है। जो अगले तीन दिनों में पूरी हो जाएगी। दुनिया के कई देशों में तानाशाह शासन कर रहे हैं। जो तानाशाही के साथ लोकतांत्रिक दिखना चाहते हैं। उन शासकों के बीच में रूस का संविधान और रूस का यह चुनाव मॉडल बड़ा लोकप्रिय हो रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तानाशाही को बनाए रखने का यह सबसे अच्छा मॉडल है।

वॉइस क्लोनिंग: नए साइबर अपराध से बच के

रजनीश कपूर

साइबर अपराधों में लिप्त अपराधी हर दिन नए ढंग से अपने शिकार को फंसाने के तरीके खोजते रहते हैं। यदि आप जागरूक हैं तो आप इनके जाल में फंसने से बच सकते हैं। यदि आप घबराहट में कुछ ऐसा-वैसा कर बैठते हैं तो आप इनके जाल में आसानी फंस सकते हैं। आज साइबर अपराध के नए तरीके 'वॉइस क्लोनिंग' के बारे में बात करेंगे जो आजकल सीध-सादे लोगों को अपना शिकार बना रहा है।

कुछ समय पहले तक साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सऐप पर वीडियो कॉल करके लोगों से पैसा ऐंठा जा रहा था। जैसे-जैसे इस तरह के साइबर अपराध के बारे में लोगों को पता चला तो इन साइबर ठगों के अपराधों में कमी आने लगी, परंतु 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के इस दौर में साइबर ठगी के नए तरीके भी सामने आने लगे हैं। इनमें एक ताजा तरीका है 'वॉइस क्लोनिंग'। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे कि कंप्यूटर द्वारा किसी की भी आवाज की नकल आसानी से बनाई जा सकती है। आवाज की इस नकल को पहचान पाना बहुत ही मुश्किल होता है। कुछ दिन पिछले मुझे मेरे एक मित्र जतिन का घबराहट में फोन आया। उसकी घबराहट का कारण ये था कि खुद को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच का एक अधिकारी बताने वाला व्यक्ति उसे धमका रहा था। उस व्यक्ति ने जतिन को फोन पर यह कहते हुए धमकाया कि उसका बेटा पुलिस हिरासत में है। जब उसने अपने बेटे की गिरफ्तारी की वजह पूछी तो उसे बताया गया कि उसका बेटा अपने कॉलेज की लड़कियों को अश्लील मेसेज भेजता और उन्हें ब्लैकमेल करता है। चूंकि जतिन का बेटा आजकल के युवाओं की तरह 'मस्त-मौला' विचारों का नहीं है इसलिए उसे इस बात पर यकीन नहीं हुआ। फिर भी एक घबराए हुए पिता की तरह जतिन ने भी यह जानना चाहा कि उसका बेटा कौन से थाने में है और उसे कैसे छुड़ाया जा सकेगा? तभी किसी कारण से फोन कट गया। इसी बीच जतिन ने मुझे फोन कर अपनी परेशानी बताई। सबसे पहले मैंने उससे पूछा कि उसका बेटा इस समय कहां है? उसने बताया कि वो कॉलेज गया है। मैंने उससे पूछा कि फोन किस नंबर से आया था? क्या फोन उसके बेटे के फोन से आया था? चेक करने पर पता चला कि फोन किसी अनजान नम्बर से आया था। इतना ही नहीं उस नंबर से पहले +92 लगा था, जिससे संदेह हुआ कि यह एक खॅड कॉल है। क्योंकि भारत के सभी फोन नंबरों से पहले +92 नहीं बल्कि +91 लगता है। मैंने जतिन को शांत करते हुए यह बात समझाई कि यदि पुलिस किसी छात्र को गिरफ्तार कर उसके माता-पिता से बात करती है तो या तो वो थाने के फोन से करेगी या छात्र के ही फोन से या पुलिस अधिकारी अपने फोन से कॉल करेगा जिसके पहले +91 लगा होगा। इस पर जतिन को कुछ बात तो समझ में आई, लेकिन उसने यह भी कहा कि उस पुलिस अधिकारी ने उसके बेटे की फोन रिकॉर्डिंग के कुछ अंश भी सुनाए हैं, जिसे सुन कर उसे चिंता हुई। इस पर मैंने जतिन से कहा कि क्या उसने अपने बेटे से उसी के फोन पर बात की? तो वो बोला घबराहट में उसने पहला फोन मुझे ही किया। जैसे ही जतिन ने दूसरे फोन से अपने बेटे से बात की तो उसे पता चला कि वो सकुशल है और अपने कॉलेज में ही है। 'वॉइस क्लोनिंग' स्कैम जरिये उगाही के इस नए ढंग को यदि आप जान लेंगे तो शायद आप भी इन जालसाजों का शिकार होने से बच सकेंगे। साइबर ठग आपके फोन पर किसी बैंक, फोन या बीमा कंपनी का अधिकारी बन कर आपसे बात करते हैं। ऐसे में ये आपके साथ हो रही पूरी बात को रिकॉर्ड भी कर लेते हैं। इसके बाद 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की मदद से 'वॉइस क्लोनिंग' सॉफ्टवेयर में आपकी आवाज में आसानी से बदलाव लाकर, आपकी आवाज की नकल या ह्यवॉइस क्लोनिंग' कर लेते हैं। मतलब आपकी ही आवाज में बातचीत का विषय बदल देते हैं। इन साइबर ठगों के पास आपके करीबी रिश्तेदारों के नंबर होना कोई बड़ी बात नहीं है। इसी के चलते वे 'वॉइस क्लोनिंग' की मदद से आपकी नकली आवाज के जरिए स्कैम करने में कामयाब हो रहे हैं।

इसलिए आप सभी के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। पहला, यदि आपको किसी अनजान नंबर

से ऐसा 'वॉइस क्लोनिंग' वाला फोन आए तो पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आपके जिस रिश्तेदार के बारे में बात की जा रही हैस्, क्या वो उसी की आवाज है? दूसरा, किसी न किसी बहाने से फोन को काट कर अपने उसी रिश्तेदार को फोन कर उससे बात अवश्य करें। तीसरा, यदि कोई भी खुद को पुलिस अधिकारी बताता है तो पहले उस व्यक्ति का पूरा परिचय मांगें और आधिकारिक फोन नंबर लें। यदि संभव हो तो फौरन उसके दिए परिचय की पुष्टि भी कर लें। कभी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल, खासकर जिस नंबर से पहले +92 लगा हो उसे न उठाएं। अपने बैंक खाते या अन्य जरूरी जानकारी को कभी शेयर न करें। ऐसे नंबरों को तुरंत 'ब्लॉक' करें। जैसे ही यह पता चले कि आपके साथ ठगी हो सकती है या आप इनके शिकार हो चुके हैं तो पुलिस को इसकी इत्तला तुरंत दें। आप जानकार रहेंगे तभी तो सुरक्षित रहेंगे।

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थो से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्ढों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स च्रूण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

कैंप्स वाले एक्टर्स की तरह नहीं मिली कॅरियर को गति: तापसी पन्नू

बालीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू को अफसोस है कि उनके करियर को वो रफ्तार हासिल नहीं हुई, जो कैंप्स वाले एक्टर्स को हुई। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बॉलीवुड कैंप पर चुप्पी तोड़ी और बताया कि आखिर कैसे इस कैंप में शामिल हुआ जा सकता है। 36 साल ये एक्ट्रेस हैं शाहरुख खान के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं तापसी पन्नू। तापसी हमेशा से ही इंडस्ट्री में चल रहे कैंप कल्चर, आउटसाइडर्स डिबेट और नेपोटिज्म पर अपने विचार खुलकर रखती आई हैं।

हाल ही में उन्होंने बताया कि आखिर उन्हें बड़ी फिल्में वैसी हासिल क्यों नहीं हो सकी, जैसे कैंप्स वाले एक्टर्स को दी जाती हैं। तापसी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें बड़ी फिल्मों में सिर्फ इसलिए जगह नहीं मिलती, क्योंकि वो किसी कैंप का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह देर रात होने वाली पार्टीज में जाने से उन कैंप में जगह मिल सकती है, लेकिन वो ऐसी किसी पार्टी का हिस्सा बनना पसंद नहीं करती हैं। तापसी ने अपना दर्द जाहिर करते हुए कहा, यहां कई बॉलीवुड कैंप हैं। नेपोटिज्म, जिस पर हम बात करते हैं, वहीं प्रॉब्लम है कि लोगों को आसानी से उन कैंप्स में जगह नहीं मिलती।

अगर कोई बड़ी बजट फिल्म बन रही है, तो मुझे यकीन है कि कोई मेरी बेइज्जती कर ये नहीं कहेगा कि मैं उस रोल के लिए फिट नहीं हूं, लेकिन हां मुझे उस फिल्म में हिस्सा नहीं दिया जाएगा, क्योंकि मेरे नाम को वहां तक पहुंचने नहीं दिया जाएगा। एक्ट्रेस ने आगे कहा, कड़वी सच्चाई यही है कि बड़ी फिल्में एक्सेस मिलने से ही मिलती हैं और मेरे पास उस जगह तक पहुंचने का एक्सेस नहीं है। फिल्मी पार्टीज ही एकमात्र जरिया है, जिससे उन कैंप का हिस्सा बना जा सकता है। आप उन लोगों के साथ सोशल होते हैं, फिर उनसे दोस्ती होती है और फिर वो आपको काम देते हैं। ये ठीक है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती। तापसी ने बताया कि आखिर वो ऐसा क्यों नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा ऐसा करने के लिए आपको 10 बजे के बाद होने वाली पार्टीज में जाना होता है, लेकिन मेरे लिए ये बहुत थका देने वाली प्रोसेस है। मैं ये करने की बजाए, ज्यादा मेहनत और अच्छा काम करके फिल्में हासिल करती हूं। बता दें कि साल 2013 में बॉलीवुड में एक हसीना ने कदम रखा, जिन्होंने अक्षय कुमार से शाहरुख खान तक के साथ किया। 10 साल के करियर में उन्होंने 15 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। करियर की तीन फिल्में हिट रही, लेकिन उनके बाद उनके करियर में कई फ्लॉप फिल्में भी आई। 36 साल की इस हसीना ने पिछले साल एक सुपरहिट फिल्म दी।

ज़ानाई भोसले का श्रद्धा ने किया स्वागत

बालीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की बहन ज़ानाई भोसले को द प्राइड ऑफ महाराष्ट्र- छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ एक अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस मौके पर श्रद्धा कपूर ने बहन ज़ानाई भोसले को अपना उत्साहजनक समर्थन दिया है।

फिल्म एक निर्देशक के रूप में संदीप सिंह की नाटकीय शुरुआत है, और ज़ानाई भोसले शिवाजी महाराज की पत्नी, रानी साईं भोंसले की भूमिका निभाती नजर आएँगी। श्रद्धा कपूर ने कहा, मेरी बहन ज़ानाई मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने और अपने प्रदर्शन से हमें मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे सिनेमाई श्रद्धांजलि द प्राइड ऑफ भारत छत्रपति शिवाजी महाराज में रानी साईं भोंसले की भूमिका निभा रही हैं। मैं उन्हें फिल्म में पहली बार देखने के लिए उत्सुक हूँ और मेरी शुभकामनाएँ उनके साथ हैं। अपनी पहली ही फिल्म के लिए इतना चुनौतीपूर्ण रोल मिलना अपने आप में एक उपलब्धि है। जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, मैं हमेशा वहाँ मौजूद रहूँगी। बता दें कि द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है और यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर 19 फरवरी, 2026 को रिलीज़ होगी।

यह फिल्म संदीप सिंह की नाटकीय निर्देशन की पहली फिल्म है और इसे इमर्सो स्टूडियो और लीजेंड स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इस बारे में संदीप सिंह ने आगे कहा, बॉलीवुड में आमतौर पर बहनें एक-दूसरे का समर्थन नहीं करती हैं, लेकिन श्रद्धा कपूर एक अपवाद हैं, जिन्होंने अपनी बहन ज़ानाई की क्षमता और प्रतिभा पर विश्वास किया है। मुझे यकीन है कि श्रद्धा का प्रोत्साहन उनके लिए शक्ति का काम करेगा।

एक्ट्रेस राजलक्ष्मी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में

25 साल पहले आया सॉन्ग 'चुपके चुपके सखियों से वो' एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर और एक्टर जॉन अब्राहम पर फिल्माया गया था। गाने में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला था।

एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर की खूबसूरती ऑडियंस के दिलों में कुछ यूं उतरी थी कि हर कोई उनकी सुरमई आंखों का दीवाना हो गया था। म्यूजिक वीडियो से पॉपुलैरिटी हासिल कर एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर अपने एक्टिंग करियर में भले ही कुछ खास बुलंदियों को ना छू पाई हों, लेकिन एक्ट्रेस की निजी जिंदगी हमेशा से ही सुर्खियों में छाई रही है। एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर ने साल 1996 में फिल्म निर्देशक और एक्टर समीर सोनी से शादी की थी, लेकिन शादी के 6 महीने बाद ही कपल का तलाक हो गया था।

समीर सोनी ने एक्ट्रेस संग अपने तलाक के बारे में बात करते हुए बताया था कि जिस दिन उनकी पहली फिल्म का प्रीमियर हुआ था उसी दिन उनका और राजलक्ष्मी का तलाक फाइनल हुआ था। वह रात एक्टर के जीवन की सबसे मुश्किल रातों में से एक थी क्योंकि तलाक के साथ ही एक्टर की पहली फिल्म पर्दे पर आई, लेकिन उस फिल्म में से उनके ज्यादातर सीन्स काट दिए गए थे।

समीर सोनी ने अपने उसी इंटरव्यू में कहा था कि राजलक्ष्मी और उन्होंने बहुत जल्द ही तलाक लेने का फैसला कर लिया था और उन्हें अपनी शादी को थोड़ा और समय देना चाहिए था। समीर सोनी से शादी के महज 6 महीने के अंदर तलाक लेने के बाद राजलक्ष्मी खानविलकर ने साल 2000 में 'आशिकी' फेम एक्टर राहुल रॉय से दूसरी शादी कर ली। शुरुआत के कई साल कपल ने खुशहाल जिंदगी गुजारी, लेकिन साल 2014 में उनका तलाक हो गया।

ओटीटी जलवा दिखा रहे सुनील शेट्टी

बालीवुड एक्टर सुनील शेटटी अपना जलवा ओटीटी पर भी दिखा रहे हैं। अपने दमदार अभिनय से सुनील शेट्टी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। 90 के दशक में सुनील शेट्टी सिनेमाघरों में छाए रहते थे, लेकिन जिस स्टाडरम की उन्हें तलाश थी, वो स्टाडरम उन्हें मिल नहीं पाई। आज सुनील शेट्टी बॉक्स ऑफिस के बादशाह होते, अगर उनकी 33 फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई होती, लेकिन किसी न किसी वजह से उनकी 33 फिल्में सिनेमाघरों तक पहुंच नहीं सकी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इनमें से कुछ फिल्में टाइटल अनाउंसमेंट के बाद ही डिब्बाबंद हो गईं, तो कुछ फिल्मों के पोस्टर तक रिलीज हुए, लेकिन वो भी बाद गुमनाम हो गईं।कहा जाता है कि बजट की समस्या की वजह से सुनील शेट्टी की 33 फिल्में बन नहीं सकीं, कुछ फिल्मों की तो शूटिंग भी शुरू हुई थी, लेकिन फाइनेंसर न मिलने की वजह से उन फिल्मों की शूटिंग को बीच में ही रोकना पड़ गया था। तो चलिए, आपको सुनील शेट्टी की उन फिल्मों के बारे में बताते हैं, जो सिनेमाघरों तक पहुंच ही नहीं पाईं। इसमें सबसे पहला नाम आता है एक और फौलाद का जिसमें वह दिव्या भारती के साथ नजर आने वाले थे।

दो कदम आगे में भी सुनील शेट्टी दिव्या भारती के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले थे। वहीं, फिल्म जाहिल में वह रवीना टंडन के साथ नजर आने वाले थे, हम हैं आग में सुनील शेट्टी की जोड़ी सोमी अली के साथ बनी थी, अयुद्ध में सोनाली बेंद्रे के साथ वह स्क्रीन शेयर करने वाले थे, दि बॉडीगार्ड में वह श्रीदेवी के साथ पर्दे पर नजर आने वाले थे। कौरव में उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनी थी, लेकिन ये फिल्म भी बन नहीं पाई, हालांकि फिल्म मोहरा में इस जोड़ी ने खूब धमाल मचाया था। वहीं, रुस्तम में मनीषा कोइराला के साथ, चोरी मेरा काम में शिल्पा शेट्टी और सलमान खान के साथ, कर्मवीर में विनोद खन्ना के साथ सुनील शेट्टी नजर आने वाले थे।

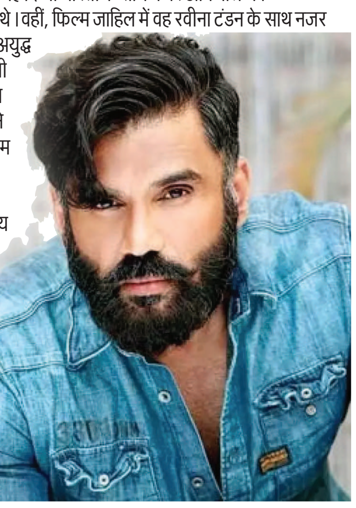

कैप्टन अर्जुन में सुनील की जोड़ी ममता कुलकर्णी के साथ, काला पानी में अजय देवगन और करिश्मा कपूर के साथ, कमिश्नर में शिल्पा शेट्टी के साथ, जुआ में मनीषा कोइराला के साथ, राधेश्याम सीता राम में ऐश्वर्या राय के साथ बनी थी। वहीं सुनील की जज्बा, मुक्ति,फेम, गुड नाईट, फांसी दि कैपिटल पनिशमेंट, मुंबई टैक्सी सर्विस, शोमैन, चाय गर्म, शूटर, शोला, चोर सिपाही और अखंड जैसी फिल्में भी सिनेमाघरों तक पहुंच नहीं पाईं। फिल्म पूरब की लैला पश्चिम का छैला में सुनील नम्रता शिरोडकर के साथ, हम पंछी एक डाल के में ऐश्वर्या राय के साथ, एक हिंदुस्तानी में रवीना टंडन के साथ, वंदे मातरम में संजय दत्त के साथ, गहराई में रवीना टंडन के साथ नजर आने वाले थे।

ओडेला 2 में भगवान शिव की भक्त बनी दिखाई देगी तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 के लिए तैयार हो चुकी हैं। अभिनेत्री ने अपना पहला लुक सोशल मीडिया पर साझा कर खुशी जाहिर की है। बता दें कि अभिनेत्री अभी ओडेला-2 की शूटिंग वाराणसी में कर रही हैं। इसके बाद जब पूरा देश भगवान शिव की भक्ति में लीन है, तो अभिनेत्री ने कुछ समय निकालकर अपना पहला लुक अपने सोशल मीडिया पर एक्स अकाउंट पर साझा किया है। फोटोज में अभिनेत्री लाल और सतरंगी रंग के कपड़े पहनी हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री के एक हाथ में डमरू, दूसरे हाथ में छड़ी नजर आ रही है। उनके माथे पर भगवान शिव का तिलक भी नजर आ रहा है। फिल्म का पोस्टर भी पहली दफा सार्वजनिक किया गया है, जिसमें अभिनेत्री को शिव शक्ति के रूप में दिखाया गया है, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वह फिल्म में भगवान शिव की भक्त का किरदार निभा रही होंगी।

अभिनेत्री ने ओडेला-2 फिल्म में अपना पहला लुक साझा कर कहा कि मुझे अपना पहला लुक महाशिवरात्रि के खास मौके पर साझा करते हुए खुशी हो रही है। बता दें कि ओडेला-2 डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई ओडेला रेलवे स्टेशन की अगली कड़ी है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है।

2025 के ईद पर रिलीज होगी सलमान की अगली फिल्म

बालीवुड स्टार सलमान खान ने अपने प्रशंसकों को रमजान का तोहफा देते हुए अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। यह फिल्म अगले साल 2025 के ईद पर रिलीज होने वाली है। सलमान इस फिल्म के लिए साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़ रहे हैं और इसका निर्देशन मुरुगादॉस करने वाले हैं, जो 15 साल पहले दर्शकों को आमिर खान के साथ दर्शकों को गजनी दे चुके हैं। फिल्म के नाम की अभी घोषणा नहीं हुई है। ज्ञातव्य है कि साजिद और सलमान साल 2014 की हिट फिल्म किक के बाद अब साथ आ रहे हैं। वहीं, मुरुगदॉस के साथ सलमान पहली बार काम करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सलमान खान ने फिल्म को कन्फर्म किया है। उन्होंने पोस्ट किया, एक बहुत ही मजेदार फिल्म के लिए प्रतिभाशाली मुरुगदॉस और मेरे दोस्त साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़कर खुशी हुई। यह सहयोग काफी खास है और मैं आपके प्यार और आशीर्वाद से इस जर्नी की शुरुआत कर रहा हूं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है।

बता दें कि इस फिल्म का बजट लगभग 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। हालांकि, अभी नाम से पर्दा नहीं उठ सका है, लेकिन एक्शन थ्रिलर यह मूवी पुर्तगाल और अन्य यूरोपीय देशों में शूट की जा सकती है। इसे साजिद नाडियाडवाला की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म माना जा रहा है। पिंकविला ने सोर्सेज के हवाले से बताया था कि फिल्म को लेकर इस साल की शुरुआत में कुछ मीटिंग्स हो चुकी हैं और अब जल्द से जल्द फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। पिछले साल फिल्म की स्क्रिप्ट से भी आमना-सामना हो चुका है।

बता दें कि गत वर्ष दीपावली के अवसर पर टाइगर 3 में नजर आए सलमान खान की अगली फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सलमान खान के प्रशंसक इस बात को लेकर चिंतित नजर आ रहे थे सलमान खान कब अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। हालांकि उनके हाथ में आदित्या चोपड़ा की स्पाई सीरीज की फिल्म टाइगर बनाम पठान है, लेकिन इसकी शुरूआत कब होगी इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

टी20 विश्व कप सेमी फाइनल और फाइनल के लिए 'रिजर्व डे'

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अभी प्रयोग पर चल रहे 'स्टॉप क्लॉक' नियम को आगामी टी20 विश्व कप 2024 से सभी पूर्णकालिक सदस्यों के वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में हमेशा इस्तेमाल करेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईसीसी ने 'स्टॉप क्लॉक' नियम दिसंबर 2023 में शुरू किया था और अभी इसे इस्तेमाल किया जा रहा है जिसे एक जून 2024 से स्थायी कर दिया जाएगा।

आईसीसी ने अपनी सालाना बोर्ड बैठक के बाद एक बयान में कहा, 'स्टॉप क्लॉक' नियम जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के साथ सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्थायी हो जाएगा।' बयान के अनुसार, 'ट्रायल अप्रैल 2024 तक किया जाना था लेकिन इस ट्रायल के नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं जैसे मैच समय पर खत्म हो रहे हैं जिससे प्रत्येक वनडे मैच में करीबन 20 मिनट बच रहे हैं।'

नियम के अनुसार क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को पिछला ओवर खत्म होने के 60 सेकेंड के अंदर नया ओवर शुरू करना होगा। इसके लिए मैदान पर लगी एक 'इलेक्ट्रोनिक' घड़ी 60 से लेकर शून्य तक उलटी गिनती करेगी और तीसरा अंपायर घड़ी शुरू करने का समय तय कर सकता है। क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के ऐसा नहीं करने पर उसे दो चेतावनी दी जाएगी और इसके बाद के उल्लघंन के लिए प्रत्येक घटना के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया जाएगा।

आईसीसी ने हालांकि नियम में कुछ अपवाद भी शामिल किए और ऐसी स्थितियों में शुरू हुई घड़ी को रद्द कर दिया जाएगा जिसमें नया बल्लेबाज अगर ओवरों के बीच में आता है, आधिकारिक 'ड्रिंक्स ब्रेक' तथा किसी बल्लेबाज या क्षेत्ररक्षक के चोटिल होने की स्थिति में मैदान पर उपचार किया जाना शामिल है। इस नियम को तब भी लागू नहीं किया जायेगा अगर क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण समय खराब हुआ हो। आईसीसी की बैठक में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल (27 जून) और फाइनल (29 जून) के लिए 'रिजर्व' (सुरक्षित) दिन को भी मंजूरी दी गई। लीग या सुपर आठ चरण के दौरान पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही टीम को कम से कम पांच ओवर डालने जरूरी होंगे। पर 'नॉकआउट% मैच में पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में 10 ओवर डालने की जरूरत होगी। वैश्विक संचालन संस्था ने भारत और श्रीलंका की सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दी। टूर्नामेंट में 20 टीम हिस्सा लेंगे जिसमें से 12 स्वत~क्वालीफाई करेंगी। 2024 विश्व कप में शीर्ष आठ टीम भारत और श्रीलंका के साथ स्वत~ क्वालीफाई करेंगी जबकि बचे हुए दो स्थान 30 जून 2024 तक आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अगली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग टीम को मिलेंगे। इसके बाद बचे आठ स्थान आईसीसी क्षेत्रीय क्वालीफायर के जरिये तय होंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से बाहर

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी गुरुवार रात यहां आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल प्री क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को प्री क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी से 16-21 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैम्पियन रही थी। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गई। उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

शुक्रवार को भारत के लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के ली जि जिया से होगा। लक्ष्य ने दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन पर 24-22 11-21 21-14 की जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अभियान दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग से 19-21 11-21 से हारकर समाप्त हो गया।

श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ीं

-आईपीएल के लिए फिट घोषित हुए

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के कारण बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इससे पहले उन्हें अनुबंध सूची में जगह नहीं मिली थी। श्रेयस ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ के खिलाफ जिस प्रकार अच्छी बल्लेबाजी की है। उससे बीसीसीआई उनसे खुश है। श्रेयस को इस मैच में पीठ में जकड़न आ गयी थी पर अब वह ठीक है और उन्हें फिट घोषित कर दिया गया है। ऐसे में वह आईपीएल खेल सकते हैं। श्रेयस ने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 111 गेंदों पर 95 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बीसीसीआई इस बल्लेबाज में आये सुधार से भी खुश है। ऐसे में उन्हें केन्द्रीय अनुबंध मिल सकता है।

वहीं इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। बीच बीच में उन्हें पीठ दर्द ने परेशान किया। इसके चलते बीसीसीआई ने उन्हें अंतिम ग्यारह से बाहर कर दिया था। टीम प्रबंधन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी पर श्रेयस ने इसकी अनदेखी की थी। इस कारण बीसीसीआई ने उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था। इसके बाद व रणजी खेलने के लिए तैयार हो गये। पीठ की ऐंठन के कारण वह मुंबई के आखिरी रणजी ट्रॉफी लीग मैच में नहीं खेल पाए पर इस दौरान उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के प्री-सीज़न कैंप में भाग लेते दिखे जिससे बोर्ड नाराज हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि अगर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की जगह आईपीएल को प्राथमिकता देंगे तो उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलेगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पर आईसीसी का रुख, बीसीसीआई को सरकार की मर्जी के खिलाफ पाकिस्तान जाने को नहीं कहेगा आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि अगले साल पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी 'हाइब्रिड मॉडल' पर कराना एक विकल्प हो सकता है क्योंकि आईसीसी भारत की भागीदारी पर फैसला नहीं ले सकता अगर सरकारी नीति उसके खिलाफ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक दुबई में चल रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी फरवरी- मार्च 2025 में होनी है जिस पर बातचीत बैठक के एजेंडे में नहीं थी लेकिन पीसीबी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह बीसीसीआई सचिव जय शाह और आईसीसी के आला अधिकारियों से बैठक से इतर बात करके आश्वासन लेने की कोशिश करेंगे। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि बीसीसीआई टूर्नामेंट की तारीख करीब आने पर ही फैसला लेगा और यूएई में इसके आयोजन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक वरिष्ठ प्रशासक ने कहा, '' बोर्ड की बैठकों में हर सदस्य अपना मसला उठा सकता है जिस पर वोटिंग होती है। लेकिन अगर सदस्य देश की सरकार कहती है कि वे वहां नहीं खेल सकते तो आईसीसी को विकल्प तलाशने होते हैं।'' उन्होंने कहा, '' आईसीसी बोर्ड का रूख साफ है कि वह अपने सदस्यों से उनकी सरकार की नीति या निर्देशों के खिलाफ जाने की अपेक्षा नहीं करता।'' यह पूछने पर कि पाकिस्तान में

खेलने से भारत के इनकार पर क्या उसके खिलाफ वोट होगा, सूत्र ने कहा कि सरकारी निर्देश होने पर यह स्थिति पैदा नहीं होगी।

बीसीसीआई के पूर्व पदाधिकारी ने कहा, '' यह नहीं भूलना चाहिये कि आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड की तुलना में भारतीय क्रिकेट टीम को खतरे की संभावना अधिक है।'' जनवरी फरवरी में भारतीय डेविस कप टीम विश्व ग्रुप प्लेआफ मुकाबला खेलने इस्लामाबाद गई थी और खिलाड़ियों के साथ सहयोगी स्टाफ भी सुरक्षा इंतजामात से खुश था। क्रिकेट टीम का मामला हालांकि अलग है जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे सुपरस्टार हैं। सूत्र ने कहा, '' यह वैश्विक टूर्नामेंट है और एशिया कप जैसा उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट नहीं लिहाजा भारत सरकार नरम रूख अपना सकती है। एशिया कप के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान गए थे।

केकेआर के मेंटोर गंभीर का कोलकाता पहुंचने पर भव्य स्वागत

कोलकाता। आईपीएल के लिए यहां पहुंचे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर का यहां पहुंचने पर प्रशंसकों ने शानदार स्वागत किया। इसका एक वीडियो भी केकेआर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें टीम प्रबंधन के साथ गंभीर को दिखाया गया है। इसमें लिखा गया है, केकेआर के बॉस 7 लंबे साल के बाद एक विजेता के तौर पर कोलकाता में वापस आये हैं। गौरतलब है कि गंभीर साल 2011 से ही केकेआर के साथ बने हुए हैं। टीम को बेहतर बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके कप्तानी में केकेआर ने साल 2012 और 2014 में खिताब जीते थे। गंभीर ने साल 2018 में केकेआर को छोड़ दिया था। उसी साल पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले वह एक सत्र में उस समय की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेले थे। गंभीर के जाने के बाद से ही केकेआर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। साल 2021 में टीम इयोन मोर्गन के नेतृत्व में फाइनल में पहुंची थी पर यहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं पिछले 2 सत्र से टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी थी। अब देखना है इस बार गंभीर के मार्गदर्शन में टीम कितनी सफल होती है।

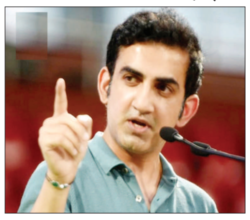

अश्विन के खेल में सुधार नहीं होने वाला एक ट्वीट जमकर हो रहा वायरल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने हाल ही में अपना 100 वां टेस्ट खेला था। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी। अंतिम टेस्ट में उन्होंने कुल नौ विकेट लिए थे। वहीं इसके बाद उनका एक ट्वीट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे कहा गया है कि तुम्हारे खेल में कोई सुधार नहीं हुआ है।

अब अश्विन ने इसी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, इतने सालों तक खेलने के बाद मेरे गेम में कोई सुधार नहीं हुआ और ऐसा केवल मेरी मां कह सकती है। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 36 बार 5 विकेट लेकर अनिल कुंबले को भी पीछे छोड़ दिया। कुंबले ने 132 मैच में 35 बार 5 विकेट लिए थे। अश्विन से आगे अब केवल तीन गेंदबाज ही हैं। पांचवे टेस्ट मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। 100वें टेस्ट में जहां वार्न ने 8 विकेट लिए थे। वहीं अश्विन ने कुल 9 विकेट लिए थे।

अभ्यास सत्र में ऋषभ पंत की बल्लेबाजी देख टीम के साथियों का बढ़ रहा मनोबल: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम ~ दिल्ली कैपिटल्स टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले अभ्यास सत्र के बाद कहा कि ऋषभ पंत (ऋद्बह्यड्डड्ढड्ड क्क्रड्डठ्ठह्ल) अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे टीम का मनोबल भी बढ़ रहा है। दिसंबर 2022 में अपने घर रूड़की जाते समय भयावह कार दुर्घटना के बाद पंत 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। अब उन्हें बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर खेलने के लिए बीसीसीआई से मंजूरी मिल गई है।

पोंटिंग ने कहा कि हमें पिछले साल उसकी कमी खली। पूरे टूर्नामेंट को उसकी कमी खली। ऋषभ टीम में ऊर्जा लेकर आता है। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे पूरी टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि आईपीएल में दिल्ली के पहले मैच में भले ही 8 दिन बाकी रह गए हैं लेकिन टीम ने अभी लय नहीं पकड़ी है। उन्होंने कहा कि हमने अभी शुरूआत ही की है। हम तुरंत ही सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं आ जाएंगे। अभी पहले मैच के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

पोंटिंग ने कहा कि हम अभी तक पहले गेम का इतना भी इंतजार नहीं कर रहे हैं। हम कुछ बड़े काम कर रहे हैं। हम बिल्कुल अलग दृष्टिकोण पर काम नहीं कर रहे। जब भी मैं यहां आता हूं तो आईपीएल जीतने की इच्छा के बारे में बात करता हूं। मैं इस वर्ष इसके बारे में और अधिक बात करने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि लोग पूरी तरह से व्यस्त रहें और यही कारण है कि हम सभी यहां हैं। पोंटिंग बोले- इस टीम को सफलता दिलाना मेरा काम है। हम क्वालिफाई करने के लिए पर्याप्त गेम जीतने के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं आईपीएल जीतने की।

मधुमक्खियों के हमले से बचे अल्काराज इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

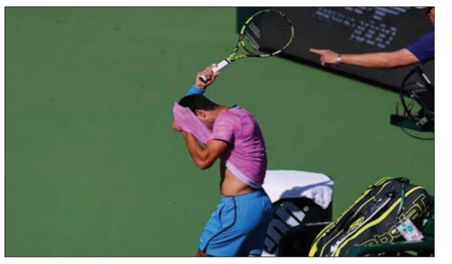

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। कार्लोस अल्काराज ने मधुमक्खियों के हमले के कारण करीब दो घंटे के विलंब के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3 6-1 से हराकर बीएनपी पारिबस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गुरूवार को मुकाबले के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया जिससे अल्काराज खुद को बचाते हुए छिप गये और मैच शुरू होने के 19 मिनट ही यह घटना हुई। तब अल्काराज 1-1 की बराबरी पर थे। दर्जनों मधुमक्खियां 'स्पाइडर कैमरे' पर चिपक गईं और उन्हें 'वैक्यूम' से हटाया गया। बाद में कोर्ट के करीब दीवारों और सीट पर स्प्रे बोटल का इस्तेमाल किया गया। मैच एक घंटे 48 मिनट की देरी के बाद शुरु हुआ। यानिक सिनर ने जिरी लेचेका को 6-3 6-3 से हराकर इस साल लगातार 16वें मैच में जीत दर्ज की। अब शनिवार को सिनर का सामना अल्काराज से होगा। टॉमी पॉल ने नौवें वरीय कैस्पर रूड को 6-2 1-6 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में 1-4 से वापसी करते हुए बढ़त बनायी लेकिन कैरोलिन वोज्नियाकी को चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटने पर मजबूर होना पड़ा। कोको गॉफ ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में युआन युए को 6-4 6-3 से शिकस्त दी। यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-0 7-5 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

स्मिथ किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने में सक्षम : टिम पेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह स्टीव स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते देखना चाहते हैं हालांकि वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से ही स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर रखा गया है पर वह इसमें सफल नहीं होते। स्मिथ न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान चार पारियों में केवल 51 रन ही बना पाये थे। अब तक खेले गए चार टेस्ट

मैचों में स्मिथ ने 28.50 की औसत से 171 रन बनाए हैं, जिसमें वेस्ट इंडीज के खिलाफ उनकी 91 रन की एकमात्र अर्धशतकीय पारी भी शामिल है। पेन ने स्मिथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफ़ी अच्छे हैं। उन्होने कहा, मैं उसे एक सलामी बल्लेबाज के रूप में सफल होते देखना पसंद करूंगा, मुझे लगता है कि वह पारी की अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफी अच्छा है।

वहीं स्मिथ का नंबर चार स्थान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है, इस स्थान पर उन्होंने 67 टेस्ट खेले हैं। इन मैचों की 111 पारियों में उन्होंने 61.50 की औसत से 5,966 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 239 है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कोई भी विपक्षी टीम चाहेगी कि उसे स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में आउट करने का अवसर मिले। पेन ने कहा, मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल रहा होता, तो मैं चाहता कि स्मिथ बल्लेबाजी की शुरुआत करें।

पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन में निरंतरता होगी सफलता की कुंजी : पी आर श्रीजेश

नई दिल्ली। बरसों बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगी और अपेक्षाओं के दबाव को ऊर्जा का स्रोत मानने वाले अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा कि टीम का फोकस प्रदर्शन में निरंतरता पर है जो ओलंपिक में कामयाबी की कुंजी साबित होता है। श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है। इस बार हमारे पास पदक है और अपेक्षाएं बढ़ गई है और हमने उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन भी किया है। यह सकारात्मक दबाव है और याद दिलाता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं। केरल के इस गोलकीपर ने कहा कि हमारी टीम का मंत्र है कि आउटसोर्स दबाव को बाहर ही रखो, उसे भीतर लेकर मत आओ। दबाव हम खुद बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का या फिर सोशल मीडिया का। लेकिन हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर फोकस रखते हैं। अपनी ताकत, कमजोरियां, लक्ष्य बस इस बारे में ही सोचते हैं। अपने कैरियर में 16 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके पद्मश्री श्रीजेश ने कहा कि दबाव ओलंपिक का हिस्सा है लेकिन हम उसे सकारात्मक लेकर ऊर्जा का स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है। लेकिन लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है। कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है लिहाजा हम निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं। ओलंपिक में पहले दिन से आखिरी दिन तक हॉकी के मैच होते हैं। पिछले मैच को भुलाकर तुरंत अगले मैच पर फोकस करना जरूरी होगा और यही निरंतरता काम आएगी।

धोनी सिर्फ एक ही है, मैं ध्रुव बनकर ही खुश हूं :ज्यूरेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंगलैंड बनाम भारत टेस्ट सीरीज के दौरान युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव ज्यूरेल को उनकी परफार्मेंस के कारण खूब तारीफ मिली थी। कई फैंस ने तो उनकी महेंद्र सिंह धोनी से भी तुलना कर दी। अब इस मामले पर ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि कोई भी पूर्व कप्तान की बराबरी नहीं कर सकता। ज्यूरेल जोकि टेस्ट सीरीज के दौरान विकेट के पीछे अपने तेजतर्रार रवैये के कारण चर्चा में आए, ने इस दौरान अपने भविष्य पर भी बात की।

दरअसल, भारतीय पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट सीरीज में ज्यूरेल की परफार्मेंस देखने के बाद उनकी तुलना धोनी से की थी। लेकिन 23 साल के ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि मेरी तुलना धोनी सर से करने के लिए गावस्कर सर आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन मैं निजी तौर पर कहना चाहता हूं कि धोनी सर ने जो किया है, उसे कोई दोहरा नहीं सकता। केवल एक ही धोनी है। हमेशा था और हमेशा रहेगा। मेरे लिए, मैं सिर्फ ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं। मैं जो भी करता हूं, ध्रुव जुरेल जैसा करना चाहता हूं। धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।

ज्यूरेल ने इस दौरान इंडियन कैप हासिल करने को सपना सच होने जैसा बताया। ज्यूरेल ने कहा कि यह (टेस्ट कैप हासिल करना और मैन ऑफ द मैच हासिल करना) अभी तक खत्म नहीं हुआ है। क्रिकेट के सबसे शुद्ध रूप टेस्ट में खेलना खुशी की बात थी। मुझे यकीन था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और यह हो गया। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण रहा। मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। जब मैं अंडर-19 खेल रहा था, तो मेरा लक्ष्य 200 टेस्ट खेलना था, जो मुझे बाद में एहसास हुआ कि यह संभव नहीं था।

ज्यूरेल ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट और आईपीएल की तुलना को अवास्तविक भी बताया। उन्होंने कहा कि (मेरे लिए) आईपीएल ने (टेस्ट) क्रिकेट के प्रति प्यार को कम नहीं किया है। जब मुझे बैगी कैप (भारत टेस्ट कैप) मिली, तो यह पूरी तरह से एक अलग एहसास था। (दोनों के बीच) कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट एक अलग स्तर पर है। वहीं, टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह होने पर ज्यूरेल ने कहा कि वह अभी इसके बारे में सोच नहीं रहे हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया वेलंजा में नए प्राथमिक विद्यालय भवन और खेल मैदान का उद्घाटन करते हुए

सूरत। शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने कामराज तालुका के वेलंजा में 4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 25 कक्षाओं वाले प्राथमिक विद्यालय के नए भवन और एक खेल मैदान का उद्घाटन किया।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा सपनों को साकार करने का एक नेक जरिया है. वेलंजा में बनने वाला स्कूल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षा जीवन की चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्य हासिल करने की दिशा देती है। शिक्षा बच्चे के जीवन को आकार देने में उपयोगी होती है और उसमें महान रचनात्मकता पैदा करती है। मंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब आज के प्रौद्योगिकी युग में शिक्षा प्राप्त करने की भावना मजबूत होगी।

आगे मंत्री ने कहा कि शिक्षित देश ही विकसित होते हैं. शिक्षा समाज की दिशा और दशा बदलती है। एक शिक्षित व्यक्ति राष्ट्र के विकास में विशेष योगदान देने में सक्षम होता है। उन्होंने बताया कि शिक्षित व्यक्ति कभी भी नशे का आदी नहीं हो सकता और उन्हें नशे से दूर रहने की सीख दी।

श्री पानशेरिया ने आगे कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य शिक्षा विभाग द्वारा प्रयास कर रही है कि लड़कियां विज्ञान स्ट्रीम में शिक्षा प्राप्त करें और उज्ज्वल करियर बनाएं और हाल ही में लागू की गई “नमो लक्ष्मी” योजना के तहत 12वीं कक्षा तक विज्ञान स्ट्रीम की शिक्षा पूरी करें। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय। लाभार्थी बेटियों को पोषण और स्वास्थ्य के लिए कुल 50,000 रुपये दिए जाएंगे और “नमो सरस्वती विज्ञान साधना” के तहत लड़कियों को विज्ञान स्ट्रीम में पढ़ाई के लिए कुल 25,000 रुपये दिए जाएंगे।

इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष रेखाबेन पटेल, सरपंच जीतूभाई, निजी स्कूल के प्रिंसिपल भरतभाई धनानी, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीश्री की निरुदीदी, प्रमुख राहुलभाई, कांजीदादा, सुरेशभाई, धर्मेशभाई, विनूभाई, नगरसेवक सहित स्कूल के शिक्षक, छात्र, अभिभावक और ग्रामीण उपर्-स्थत थे।

समस्त अग्रवाल समाज द्वारा "होली रे रसिया" का आयोजन 17 मार्च को

सुरत भुमि, सूरत।

समस्त अग्रवाल समाज द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह "आज तो अवध में होली रे रसिया" का आयोजन रविवार, 17 मार्च को किया जाएगा।

इसकी जानकारी के लिए समस्त अग्रवाल समाज द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन शुक्रवार को साइलेंट जोन स्थित अग्र एक्जोटिका में किया गया। प्रेसवार्ता में बताया गया कि सूरत शहर में रह रहे सभी अग्रवाल परिवारों को एक साथ लाने, समाज में भाईचारे को बढ़ावा देने, आपसी मेलज़ोल को बढ़ाने के लिए सामूहिक होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया है।

आयोजन वेसू स्थित जमनाबा पार्टी प्लॉट में किया जाएगा। आयोजन में राजस्थानी लोकगीत कलाकार संजय एण्ड पार्टी, मुकंदगढ़ द्वारा चंग एवं बांसुरी पर लोकगीतों, धमाल आदि की प्रस्तुति होगी। होली स्नेह मिलन समारोह में राजस्थान के विशेष पकवान एवं भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

ज्ञात रहे कि अग्रवाल समाज द्वारा सूरत शहर में दो स्कूल, दो हेल्थ सेंटर, अनेकों भवन आदि कई प्रकार के सेवा प्रकल्प चलाये जा रहे है।

समस्त अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में सीए महेश मित्तल, रतनलाल दारुका, राजेश भारुका, श्याम खेतान, नंदकिशोर तोला, रमेश अग्रवाल, गोकुलचंद बजाज उपस्थित रहें।

AM/NS Indiaने गुजरात सरकार की “वन प्रहरी” परियोजना के लिए MoU पर हस्ताक्षर किए

सुरत भुमि, हजीरा-सूरत।

दुनिया के दो प्रमुख स्टील उत्पादकों, आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India) ने गुजरात सरकार की “वन पहरी” परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना मुकेशभाई पटेल, माननीय राज्य मंत्री वन और पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन और जल आपूर्ति, गुजरात सरकार द्वारा वन संसाधनों की रक्षा के लिए शुरू की गई पहल हैं। बुधवार को अग्रणी आईटी समाधान प्रदाता एसएम टेक्नो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो गुजरात में वन संरक्षण प्रयासों को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वन प्रहरी एक दूरदर्शी पहल है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में मान्यता दी गई है। यह वन संसाधनों की सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और सक्रिय दृष्टिकोण दर्शाती है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप है और वन संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण जानकारी तक त्वरित प्रदान करती है।

टेक्नोलोजी का लाभ उठाते हुए “वन प्रहरी” परियोजना वन सुरक्षा उपायों को बढ़ाती है और रीअल टाईम मोनिटरींग और मेनेजमेन्ट की सुविधा प्रदान करता है। परियोजना के केंद्र में गरुड़ मॉड्यूल है जो वाहन प्रवेश निगरानी, स्कैनिंग और तत्काल अलर्ट शेयरिंग जैसी सुविधाओं के साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण तकनीक है । यह नवीन प्रणाली आधुनिक चेक पोस्ट , संदिग्ध वाहनों की त्वरित ट्रैकिंग और वन संबंधी अपराधों का पता लगाने और जांच में सहायता प्रदान करती है। यह प्रथम संरक्षण के लिए अधिक प्रभावी दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए कुशल वन गश्त और वन्यजीव दर्शन रिकॉर्डिंग के लिए आर्टीफिशियल ईन्टेन्जिन्स का उपयोग करता है।

वन प्रहरी परियोजना के प्रारंभिक चरण में दक्षिण गुजरात के छह जिलों में आठ स्थानों पर वन चेक पोस्ट का आधुनिकीकरण शामिल है। साथ ही इसमें वन संरक्षण उपायों को मजबूत करने के लिए रेंज वन अधिकारियों के स्तर पर प्रभावी निर्णय लेने और उपयोग के लिए क्षेत्र-स्तरीय प्रबंधन सूचना प्रणाली का विकास भी शामिल है।

इस परियोजना ने तापी जिले में अपने पायलट चरण के दौरान लकड़ी चोरी जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया है। इस पहल का उद्देश्य न केवल वन अपराधों से निपटना है, बल्कि वन संसाधनों के संरक्षण के लिए एक सहयोगात्मक और तकनीकी रूप से उन्नत दृष्टिकोण का निर्माण करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित और पर्यावरण संरक्षण के साथ ही अधिक टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

सुरत बुमि, सूरत। एएसजी आई हॉस्पिटल ने सौमित ग्रुप के सहयोग से 9 मार्च, 2024 को सूरत में प्रसिद्ध धर्मनंदन डायमंड प्राइवेट लिमिटेड में नेत्र स्वास्थ्य के बारे में सेमिनार की मेजबानी की। सेमिनार का उद्देश्य, “नेत्र संवाद” के माध्यम से नेत्र स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया, जिन्हें धर्मनंदन डायमंड के एचआर प्रमुख श्री मनीष भाई वविय जी से मान्यता और सराहना मिली। सेमिनार के दौरान वीपी श्री धर्मेश शाह और सौमित ग्रुप की एचआर हेड मेघा कुशवाह ने सेमिनार के दौरान प्रस्तुति दी और मार्केटिंग प्रमुख श्री यशवंत मालिया और उनकी टीम ने सेमिनार का संचालन किया। धर्मनंदन डायमंड के एचओडी ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया, इस नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को देश भर में फैलाने के सामाजिक उद्देश्य से हाथ मिलाया। गौरतलब है कि एएसजी आई हॉस्पिटल की समूचे देश में 170 शाखाएं है।

दूरसंचार विभाग की ओर से सूरत के विभिन्न इलाकों में की गई छापेमारी में अवैध रिपीटर और बूस्टर पकड़े गए

सूरत।

“दूरसंचार विभाग (डीओटी) की वायरलेस मॉनिटरिंग यूनिट जो डब्ल्यूपीसी विंग की फील्ड इकाई है, ने कडोदरा, कतारगाम, कामरेज, महिधरपुरा, ओल्ड सिटी, लस्काना क्षेत्र में अवैध रिपीटर्स और बूस्टर का पता लगाया है। 11 से 15 मार्च 2024 तक सूरत में पाए गए। इन अवैध दूरसंचार उपकरणों की स्थापना से कॉल ड्रॉप की अधिक घटनाएं होती हैं और दूरसंचार नेटवर्क पर डेटा सर्फिंग की गति कम हो जाती है, जिससे पकड़े गए ग्राहकों के लिए खराब नेटवर्क अनुभव होता है।

गुजरात दूरसंचार विभाग- डब्ल्यूएमओ की टीम ने निरीक्षण अभियंता श्री दीपेश किंजरा के नेतृत्व में और जूनियर वायरलेस अधिकारी श्री रोहित कुमार गोदीवाल और श्री अमित कुमार तिवारी की मदद से 5 दिनों की लंबी जांच में 26 पैनल एंटेना और 13 रिपीटर्स जब्त किए। वहीं पकड़े गए 12 उपद्रवियों को नोटिस भी दिया गया है. ज्यादातर लोग नहीं जानते कि भारत में टेलीकॉम नेटवर्क बूस्टर लगाना और बेचना एक गैरकानूनी गतिविधि है। डब्ल्यूएमओ गुजरात कार्यालय द्वारा कडोदरा, कटारगाम, कामरेज, महिधरपुरा, ओल्ड सिटी और लसाकाना क्षेत्रों में जारी किया गया नोटिस इन उपकरणों की बिक्री में शामिल लोगों के साथ-साथ उन्हें खरीदने और स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं के लिए चेतावनी और निवारक के रूप में काम करेगा।

ये अवैध विकिरण उपकरण मुख्य रूप से बिना लाइसेंस वाले विक्रेताओं द्वारा चीन और अन्य ग्रे मार्केट से खरीदे जाते हैं और बिना सोचे-समझे खरीदारों को घर-घर जाकर बेचे जाते हैं। इसके अलावा, खरीदारों को खरीदारी के लिए चालान भी नहीं दिया जाता है, जिससे इन विक्रेताओं का पता लगाना और भी मुश्किल हो जाता है।’

दुनिया की सबसे बड़ी इंस्टेंट ड्रिंक निर्माता रसना ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है

अहमदाबाद, गुजरात। गर्मी आ गई है और हम इसे जानते हैं क्योंकि रसाना का नया अभियान बाजार में आ गया है!! हर साल की तरह इस साल भी रस एक नया अभियान लेकर आया है, जिसमें उनके 21 विटामिन और खनिजों के साथ-साथ हमारे अंदर प्यार, खुशी, जुनून और सफलता के विटामिन जैसी भावनाओं को उजागर किया गया है। गहन बाजार अनुसंधान और अंधाधुंध उत्पाद चखने के परिणामों के आधार पर, रसाना को वास्तविक फलों के अर्क के साथ एक विटामिन, खनिज और ग्लूकोज पेय के रूप में पुन्न तैयार किया गया है। नया विज्ञापन रसाना के ग्राहकों और उनकी बढ़ती जरूरतों को समझने में मदद करने के लिए पूरे भारत में किए गए व्यापक बाजार अनुसंधान का परिणाम है। यह एसईसी ए और बी परिवारों के लिए लक्षित प्राकृतिक, स्वस्थ और बेहतरीन स्वाद पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है और इसे एक स्वादिष्ट, घने और स्वस्थ पेय के रूप में रखता है जो तर्कसंगत पहलुओं के साथ-साथ ऊर्जा, शक्ति, खुशी और सबसे महत्वपूर्ण विटामिन को संतुष्ट करता है, एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

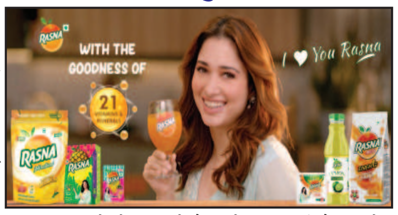

रसाना के नए ब्रांड अभियान और नई स्थिति के अनावरण पर टिप्पणी करते हुए, समूह के अध्यक्ष श्री पीरुज़ खंबाटा कहते हैं, “हमें बहुत गर्व है कि तमन्ना भाटिया जैसी सेलिब्रिटी भी रसाना को बचपन का पसंदीदा होने का समर्थन करने के लिए उत्सुक थी। आज रसाना न केवल मशहूर हस्तियों जैसी पीढ़ियों के प्यार के लिए खड़ा है, बल्कि आम आदमी के प्यार के लिए भी खड़ा है, हमें बहुत गर्व है कि आज रसाना न केवल अति अमीरों के लिए है, बल्कि गांवों और वास्तविक जनता के लिए भी उपयोगी है। भारत। तो आज ब्याज रु. 1/- प्रति गिलास से रु. 10/- तक के ऑफर के साथ एक गिलास जीवन के सभी क्षेत्रों को छूता है। हमें इस तथ्य पर भी बहुत गर्व है कि रासा आपूर्ति श्रृंखला तक अपनी सीधी पहुंच के साथ यह सुनिश्चित कर रहा है कि किसानों को, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, उनकी आय को दोगुना करने के हमारे प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, उनकी फसलों का दोगुना मूल्य मिले। रसना एक गौरवान्वित मेक-इन-इंडिया ब्रांड है जो केवल स्थानीय रूप से प्राप्त उत्पादों से बना है क्योंकि रसना पेय और एफएमसीजी क्षेत्र की अन्य कंपनियों की तुलना में केवल भारतीय फलों और कच्चे माल का उपयोग करने वाली एकमात्र कंपनियों में से एक है जो अधिकांश फलों और सामग्रियों का आयात करती है। हमने विटामिन और खनिजों के साथ बेहतर गुणवत्ता, मूल्यवर्धित प्राकृतिक उत्पाद विकसित करने का बीड़ा उठाया है जो उपभोक्ताओं की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

अहमदाबाद की रहने वाली विंक म्यूजिक यूजर ने जीता प्लेबैक सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ कॉफी डेट

डाउनलोड और दैनिक सक्रिय यूजर्स के मामले में भारत के नंबर 1 म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूजिक ने अहमदाबाद के विंक म्यूजिक प्रीमियम की ग्राहक, ममता चौधरी को अपने पसंदीदा भारतीय पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल से मिलने का सुनहरा मौका दिया।

फैन मीट के लिए ममता मुंबई गयी, जहां जुबिन ने उनसे एक विशेष कॉफी डेट के लिए मुलाकात की। कुछ घंटों तक चली इस दिलचस्प मुलाकात में उन्हें जुबिन के साथ बातचीत करने का मौका मिला। विंक म्यूजिक ने जुबिन नौटियाल के लेटेस्ट एल्बम, ‘तुम आए हो तो’ के लिए एक रोमांचक सोशल मीडिया कॉन्टेस्ट आयोजित किया था। इस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेकर ममता ने जुबिन नौटियाल से मिलने का खास मौका अपने नाम कर लिया।

विंक म्यूज़िक का यह फैन आर्टिस्ट मीट विंक प्रीमियम यूजर्स को उनके पसंदीदा कलाकारों के करीब लाने और उनसे रूबरू कराने के ब्रांड के निरंतर प्रयास के अनुरूप है। विंक के प्रीमियम ग्राहकों के लिए विशेष रूप से ऐसे कई अनूठे अनुभवों के हिस्से के रूप में फैन - आर्टिस्ट मीट फैंस को उनके पसंदीदा कलाकारों के करीब लाने को बढ़ावा देते हैं। विंक ने अपने प्रीमियम ग्राहकों के लिए अतीत में भी कई ऐसी पहल की है, जिसका उद्देश्य उन्हें बेहतरीन म्यूजिक के साथ-साथ ऐसे ही अनूठे और यादगार अनुभव प्रदान करना था।

जूबिन के बेहद उत्साही फैन ममता हाल ही में मुंबई से वापस आए हैं और खुशी से झूम रहे हैं। उनका कहना है, “अनिश्चितताओं के बावजूद, अत्यधिक प्रशंसा से प्रेरित होकर, मैंने एक मौका लिया और जुबिन से मिलने के लिए हरियाणा से पूरी यात्रा की। उनके साथ वहां रहना ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ रही हूं जिसे मैं पहले से जांती हूं, यह उस परिचित का प्रमाण है जो एक समर्पित अनुयायी होने से आता है। मैं ऐसा आकर्षक अवसर प्रदान करने के लिए विंक म्यूजिक की सराहना करती हूं और धन्यवाद देती हूं”

जुबिन नौटियाल भी अपने फैंस से मिलने के लिए बेहद उत्साहित रहते हैं। उन्होंने कहा, च्एक कलाकार होने का मतलब है कि म्यूजिक के जरिए लोगों से जुड़ना। विंक म्यूजिक ने अपने शानदार कैंपेन से इस जुड़ाव को बेहद खूबसूरत बना दिया है। ये देखना वाकई खुशी की बात है कि फैंस न सिर्फ मेरे गाने सुन रहे हैं, बल्कि उन गानों के साथ दिल से जुड़े हुए हैं। ऐसे ही कैंपेन से हम वो यादें बनाते हैं जो हमेशा हमारे साथ रहेंगी, जो म्यूजिक से कहीं अधिक हैं। विंक म्यूजिक मेरे फैंस के सपने सच कर रहा है और मैं इस सफर का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। बीते वर्ष, विंक ने अपने प्रीमियम ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित डीजे - मार्टिन गैरिक्स से लेकर लोकप्रिय भारतीय गायक - किंग तक विविध और प्रसिद्ध कलाकारों से मिलने के विशेष अवसर दिए हैं।

ऑनर प्रोटेक्ट प्लान के साथ ऑनर एक्स9बी पर 90% * तक एश्योर्ड बायबैक पाएं

नई दिल्ली ।

ऑनर ने नए लॉन्च किए गए ऑनर एक्स9बी के साथ ऑनर प्रोटेक्ट प्लान शुरू किया है, जो ऑनसाईटगो द्वारा पॉवर्ड है। यह नया प्लान ग्राहकों को ज्यादा भरोसा और मन का सुकून प्रदान करेगा। 2,999 रुपये का यह प्लान ऑनर एक्स9बी के साथ निशुल्क दिया जा रहा है और इसका उद्देश्य ब्रांड में ग्राहकों का दीर्घकालिक विश्वास स्थापित करना है। इससे अपने उत्पादों की विश्वसनीयता बढ़ाने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

इस प्लान के अंतर्गत स्मार्टफोन खरीदने के छः महीने के अंदर स्क्रीन क्षतिग्रस्त होने पर उसे एक बार निशुल्क रिप्लेस किया जाएगा। इस स्थिति में ग्राहकों से क्लेम प्रोसेसिंग के लिए 749 रुपये का मामूली शुल्क लिया जाएगा। इसके अलावा, यदि ग्राहकों को एक्स9बी खरीदने के बाद यह स्मार्टफोन पसंद नहीं आता है, तो ब्रांड इनवॉईस वैल्यू (जीएसटी को छोड़कर) के 90% तक का 30-डे एश्योर्ड बाय बैक विकल्प प्रदान कर रहा है। हालाँकि वापस ली जाने वाली डिवाईस की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कटौतियाँ या एक्सक्लुज़न लागू हो सकते हैं। क्षतिग्रस्त या टूटी बॉडी या स्क्रीन वाले फोन वापस स्वीकार नहीं किए जाएंगे। फोन वापस लिए जाने पर लागू अतिरिक्त कटौतियों में ओरिज़नल एक्सेसरीज़ न होने पर 1500 रुपये की कटौती, बड़े स्क्रैच या डेंट के लिए 20त्न, छोटे स्क्रैच या डेंट के लिए 15त्न, और

ओरिज़नल बॉक्स न होने पर 1000 रुपये की कटौती शामिल है।

इस विस्तृत पैकेज के साथ कंपनी 6 महीने का एक्सटेंडेड वॉरंटी कवर और ब्रांड के अधिकृत सर्विस सेंटर से रिपेयर के लिए 18 महीने तक की डोरस्टेप पिकअप एवं डिलीवरी की सुविधा भी दे रहा है, ताकि रिपेयर में ओरिज़नल पार्ट्स के उपयोग की गारंटी मिल सके।

इसके साथ ग्राहकों को जीरो डेप्रिसिएशन प्रोग्राम और जीरो एक्सेस प्लान का लाभ भी ले सकते हैं, जो उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान करता है, और वो बिना किसी डेप्रिसिएशन के कवरेज पा सकते हैं, तथा फोन के क्षतिग्रस्त होने के बाद भी उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। हालाँकि इसमें बैटरी और एक्सेसरीज़ जैसे कंज़्यूमेबल्स शामिल नहीं होते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)